छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की द्विमासिक गृह पत्रिका

संकल्प

अगस्त 2026 | वर्ष-23 | अंक-04



विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई ऊर्जा



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	जुलाई 2026
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978.7 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	141 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	15,316 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	1 नग	5 नग
400 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	945 एमवीए	4,410 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	2,029 किमी
220 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	5 नग	28 नग
220 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,350 एमवीए	11,795 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4,551 किमी
132 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	20 नग	108 नग
132 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,257 एमवीए	12,771 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,736 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	1,505 नग
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	10,920 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	26,531 सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	29,692 नग	2,64,622 नग
11/04 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,951 एमवीए	1,5495 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,52,656 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,54,317 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	67,14,864
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	4,404
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	73,369	6,20,516
(प्रावधिक)	73,369	2,62,771
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,609
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	7083 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की द्विमासिक गृह पत्रिका

संकल्प

अगस्त 2026 | वर्ष-23 | अंक-04

संरक्षक



श्री सुबोध कुमार सिंह (IAS)
माननीय अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
CSPGCL



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
CSPTCL



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
CSPDCL

संपादक



गोविन्द पटेल
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

संपादन सहयोग : **अनामिका मण्डावी** छाया : **संजय टेम्बे**
वितरण सहयोग : **रामधन राठौर, सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे**
फोन : 0771-2574702 E-mail : procsphcl@gmail.com
वाट्सएप नं. : **94255-15050**

क्रम



विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को दे रहे नई ऊर्जा 02
आंधी-बारिश में बिजली बहाल करने वाले कर्मी पुरस्कृत 06
गारे पेलमा कोयला खदान को 5 स्टार रेटिंग... 13
प्रदेश को अग्रणी बनाने का लक्ष्य : सिंह 14
बिजली मीटर के विकास का अगला स्वाभाविक कदम... 15
आधुनिक तकनीक से ट्रांसमिशन नेटवर्क को मिली नई मजबूती 16
चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शीघ्र सामान्य हुई... 18
पारेषण अधोसंरचना के विस्तार से सुदृढ़ हो रहा विद्युत नेटवर्क 20
विभिन्न आयोजन एवं गतिविधियां 23
परिचयावली 24
महिला मंडल की गतिविधियां 25
खेल गतिविधियां 26
विदाई 27
जांजगीर-चांपा की बेटी ने फतह किया माउंट एवरेस्ट 28
हमारे गौरव 31
हरित संकल्प, 30 हजार से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य 32
बीज लिफाफा : एक छोटा सा प्रयास 33



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह (आई.ए.एस.) ने पॉवर कंपनी मुख्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने परेड की सलामी ली। सुरक्षा एवं सतर्कता विभाग ने मार्चपास्ट की प्रस्तुति दी। उसमें परेड कमांडर सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह के साथ चार प्लाटून ने सहभागिता की। सुरक्षा उपनिरीक्षक श्री ताराचंद बेन के साथ टीम ने बैंड पर सुमधुर राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर प्रबंध निदेशकगण (जनरेशन) श्री एस.के. कटियार, (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर, मुख्य अभियंता (मा.सं.) श्रीमती रश्मि वर्मा एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमांडर श्री ए. श्री निवास राव विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने किया।

श्री सुबोध कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऊर्जा किसी भी राष्ट्र के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ होती है। 'विकसित भारत' के निर्माण में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के महान संकल्प को साकार करने में हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के सबल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ राज्य की ऊर्जा अधोसंरचना को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर कार्यरत है।





विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को दे रहे नई ऊर्जा-अध्यक्ष

पावर कंपनी में श्री सुबोध कुमार सिंह ने किया ध्वजारोहण

जनरेशन प्लांट देश में तीसरे नंबर पर

श्री सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 76.44 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के साथ 19,403 मिलियन यूनिट विद्युत का रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) की रिपोर्ट के अनुसार, जनरेशन कंपनी ने देश के सभी राज्य ताप विद्युत गृहों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। कोरबा पूर्व स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह ने भी देश में तृतीय स्थान हासिल कर संपूर्ण प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

साढ़े तीन लाख करोड़ के होंगे निवेश

उन्होंने बताया कि भविष्य की विशाल ऊर्जा माँग को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्र के सार्वजनिक व निजी सहभागिता (MoUs) के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख करोड़ से अधिक के निवेश का खाका तैयार किया गया है। इस अभूतपूर्व निवेश से राज्य की उत्पादन क्षमता में 32,000 मेगावाट की अतिरिक्त वृद्धि होगी। छत्तीसगढ़ न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं में पूर्णतः आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि सरप्लस पावर के माध्यम से देश के अन्य राज्यों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करते हुए 'राष्ट्र के पावर हब' के रूप में स्थापित होगा। राज्य के इतिहास में पहली बार NTPC के सहयोग से परमाणु ऊर्जा (Nuclear Power) परियोजना स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं, जो प्रदेश को ऊर्जा के स्वच्छ एवं विविध स्रोतों से सशक्त करेगा।



पारेषण कंपनी ने 40 प्रतिशत बढ़ाई एटीसी क्षमता

श्री सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने राष्ट्रीय ग्रिड से विद्युत हस्तांतरण क्षमता (अवैलेबल ट्रांसफर कैपेसिटी-ATC) में लगभग 40 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 की 3,536 मेगावाट क्षमता बढ़कर अब 4,930 मेगावाट पहुँच गई है। तकनीकी दक्षता के कारण हमारा ट्रांसमिशन लॉस 3.29 प्रतिशत से घटकर 2.72 प्रतिशत रह गया है। यह छग राज्य विद्युत नियामक आयोग (CSERC) द्वारा निर्धारित 3 प्रतिशत के मानक लक्ष्य से भी बेहतर है। आगामी माँग को पूरा करने के लिए पूंजी निवेश योजना 2026-2030 के तहत 74 नए उपकेंद्रों (400 केवी के 8, 220 केवी के 21 तथा 132 केवी के 41) के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डिस्ट्रीब्यूशन ने की बस्तर में नई रोशनी की पहल

श्री सिंह ने कहा कि शांति और सुरक्षा के इस नए स्वर्णिम दौर में, बस्तर संभाग के शेष 461 ऑफ-ग्रिड विद्युतीकृत गाँवों को मुख्य 'ऑन-ग्रिड' बिजली नेटवर्क से जोड़ने हेतु 973 करोड़ का विशेष प्रस्ताव स्वीकृत कर कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान' (M-ऊर्जा) के तहत 48 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को 808 करोड़ रुपए की आर्थिक राहत दी गई है। 'बिजली बिल भुगतान समाधान योजना' में उपभोक्ताओं को 745 करोड़ रूपए से अधिक की छूट प्रदान की जा रही है। कृषि क्षेत्र की समृद्धि हेतु एक वर्ष में 23,757 नए कृषि पंपों को कनेक्शन दिया गया। अब साढ़े आठ लाख कृषि पंपों को निःशुल्क/रियायती बिजली देने हेतु ₹4,717 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के तहत 40,696 नए घरों में रूफटॉप सोलर लगाए गए। अब तक 76,000 घरों में यह संयंत्र स्थापित हो चुके हैं तथा 95,000 अन्य घरों में कार्य प्रगति पर है।







1235 पदों पर होगी भर्ती

श्री सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक पूंजी उसके अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। पावर कंपनीज़ की इन सभी उपलब्धियों के मूल में हमारे अभियंताओं, तकनीशियनों, लाइनमैनों और मैदानी अमले का अनवरत परिश्रम निहित है। कर्मचारियों के हित में पदोन्नति प्रक्रियाओं का सरलीकरण कर समयबद्ध पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। पारदर्शिता और कार्यदक्षता बढ़ाने हेतु 1,235 नए पदों पर निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और उपभोक्ता सेवाओं में तेजी आएगी। प्रशासनिक गतिशीलता के लिए सभी मैदानी कार्यालयों में 'ई-ऑफिस' (e-Office) व्यवस्था अनिवार्य कर दी गई है, जिससे फाइलों का त्वरित एवं पेपरलेस निस्तारण हो रहा है।

श्री सिंह ने कहा कि बिजली सेवा एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण और जोखिमपूर्ण दायित्व है। हर मौसम और विषम परिस्थितियों में चौबीसों घंटे डटे रहने वाले हमारे फील्ड कर्मचारियों और अभियंताओं के जज़्बे को मैं सलाम करता हूँ। यह स्वतंत्रता दिवस केवल अतीत के गौरवगान का नहीं, बल्कि राष्ट्र एवं प्रदेश के प्रति अपने कर्तव्यों के पुनर्संकल्प का दिन है। उन्होंने कहा कि मुझे दृढ़ विश्वास है कि आपकी निष्ठा, टीम भावना और कठिन परिश्रम के बल पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ 'विकसित छत्तीसगढ़' और 'विकसित भारत' के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगी। इस अवसर पर तीनों कंपनियों के कार्यपालक निदेशक, मुख्य अभियंता एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।







राज्य स्तरीय पुरस्कार

आंधी-बारिश में बिजली बहाल करने वाले कर्मी पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के चेयरमेन श्री सुबोध कुमार सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिजलीकर्मियों को मैडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसमें आंधी-बारिश, बाढ़ एवं अन्य आपात परिस्थितियों में विद्युत आपूर्ति बहाल करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया, वहीं कंपनी को संभावित क्षतिपूर्ति एवं आर्थिक पेनल्टी से बचाने की पहल करने वालों से लेकर विद्युत उपकेंद्रों में महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य समय पर पूर्ण करने वाले तक को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री एस.के. कटियार, प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीमसिंह कंवर उपस्थित थे। ट्रांसमिशन कंपनी की मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्रीमती रश्मि वर्मा ने पुरस्कृत अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

राज्य स्तरीय पुरस्कार



श्री चिन्तामणी तिवारी,
SE (Civil-II), मड़वा
उपलब्धि: फ्लाई ऐश उपयोग का लक्ष्य 139 प्रतिशत तक प्राप्त कर कंपनी को संभावित करोड़ों रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति से बचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।



श्री उनकेश्वर प्रसाद साहू,
परिचारक श्रेणी-दो,
EHT, भिलाई
उपलब्धि: आंधी-तूफान में क्षतिग्रस्त 220 केवी खेदामारा-ठेलकाडीह लाइन की मरम्मत कर अगले दिन सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत कराया तथा सामग्री प्रबंधन का कार्य भी कुशलता से निभाया।



श्री अनिल कुमार वर्मा,
JE, DC तुलसी, रायपुर
उपलब्धि: राजस्व वसूली, विद्युत तंत्र के प्रभावी संधारण, शिकायतों के त्वरित निराकरण तथा लगातार हो रही सामग्री चोरी का खुलासा कर आठ आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



श्री अंकित कुमार जैन,
AE, HTPS, KW
उपलब्धि: टरबाइन की बैरिंग स्पीड शून्य होने की गंभीर तकनीकी स्थिति का त्वरित समाधान कर यूनिट को समय पर चालू कराया तथा लगभग तीन दिन के उत्पादन नुकसान और लगभग 10 करोड़ रुपये की संभावित हानि टाली।



श्री गणेश राम गजेन्द्र,
वरिष्ठ पर्यवेक्षक,
एमआरटी संभाग,
CSPTCL भिलाई
उपलब्धि: सेमरिया, महाराजपुर, अंडा, गैंदपुर, अमलेश्वर, रसमड़ा, बेमेतरा, भिलाई-3 एवं खैरागढ़ उपकेन्द्रों के परीक्षण, स्थापना और कमीशनिंग समयबद्ध पूर्ण कराई।



श्री देवेन्द्र भण्डारी,
लाइन सहायक
श्रेणी-दो, जगदलपुर
उपलब्धि: बाढ़ एवं आगजनी जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित विद्युत आपूर्ति बहाल कराई, ब्रेकडाउन का समयबद्ध निराकरण किया, उपभोक्ता शिकायतों के समाधान में उल्लेखनीय योगदान दिया।

केंद्रीय कार्यालय स्तरीय पुरस्कार



श्रीमती वंदना शिलारे, स्टॉफ ऑफिसर, CSPGCL रायपुर
उपलब्धि: SPARROW-CHAS प्रणाली के माध्यम से उत्पादन कंपनी के 1107 अधिकारियों के ऑनलाइन गोपनीय प्रतिवेदन निर्धारित समय पर तैयार कर मानव संसाधन प्रबंधन को सुदृढ़ बनाया।



श्री करुणेश कुमार यादव, SE, CSPTCL रायपुर
उपलब्धि: रायपुर आइलैंडिंग स्कीम के डीपीआर, तकनीकी स्वीकृति, निविदा प्रक्रिया तथा 400 केव्ही जगदलपुर परियोजना की समयबद्ध निविदा एवं वर्क ऑर्डर में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



श्री एन बिम्बिसार, SE (RA&PM), रायपुर
उपलब्धि: प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, वर्चुअल नेट मीटरिंग, कुसुम योजना तथा क्रियान्वयन में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।



श्रीमती ज्योति माला साहू, AE, CSPGCL रायपुर
उपलब्धि: बहुवर्षीय पूंजीगत निवेश योजनाओं के लिए तथ्यपरक प्रस्तुतीकरण तैयार कर 96 योजनाओं को नियामक आयोग से स्वीकृति दिलाने तथा विशेष अनुमोदन में योगदान दिया।



श्रीमती टी. अनिता, OA G-1 (HR), CSPTCL, रायपुर
उपलब्धि: पदोन्नति नियमों के अनुरूप सात वर्षों के अभिलेखों का पुनरीक्षण कर 197 कर्मचारियों की पदोन्नति, वरिष्ठता निर्धारण तथा एसएपी अभिलेखों का अद्यतन सफलतापूर्वक कराया।



श्री नवीन खंडेलवाल, प्रबंधक (वित्त) CSPDCL, रायपुर
उपलब्धि: वार्षिक एवं त्रैमासिक लेखों का समयबद्ध अंकेक्षण कराया तथा वितरण कंपनी की रेटिंग 'बी' से 'ए' कराने में महत्वपूर्ण योगदान देकर कंपनी को ब्याज व्यय में लाभ दिलाया।

ई-ऑफिस के लिए सीई (एच आर) को रनिंग शील्ड

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) को ई-ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये रनिंग शील्ड प्रदान की गई। चेयरमेन श्री सिंह ने मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री राजेंद्र प्रसाद को सम्मानित किया।





परेड की सुंदर प्रस्तुति पर कमांडर श्री प्रभुशरण सिंह सहित टीम का सम्मान।



बैंड पर सुमधुर धुन बजाने के लिए बैंडमास्टर श्री ताराचंद बेन को पारितोषिक व सम्मान।

स्पेशल टीम अचीवमेंट अवार्ड- SPARROW PORTAL IMPLEMENTATION



श्री पंकज चौधरी
SE, CE (HR)
CSPTCL



श्री पंकज सिंह परमार, DGM
CSPTCL



श्रीमती मल्लिका बेक, DGM
CSPDCL



श्रीमती प्राची अग्रवाल सिन्हा
EE, CSPGCL



कृतिमा पांडेय
प्रदीप मिश्रा
EE, CSPDCL



सुश्री मीनल पांडेय, AM
CSPDCL



श्री ओमकार चंद्राकर, AE
CSPDCL



श्री रजनीश चौबे
AE (HR)
CSPTCL



प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने अधिकारी-कर्मचारियों को किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी में क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले आठ अधिकारी एवं कर्मचारियों को आयोजित सम्मान समारोह में प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया, कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री एम.एस. चौहान, कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री वी.के. दीक्षित, मुख्य अभियंता (भार प्रेषण) श्रीमती शारदा सोनवानी, मुख्य अभियंता (उपकेंद्र) श्री अब्राह्म वर्गीस, मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री प्रसन्ना गोसावी, मुख्य अभियंता (एचआर) श्रीमती रश्मि वर्मा उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने किया तथा अंत में अधीक्षण अभियंता श्री पंकज चौधरी ने आभार व्यक्त किया।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री जे. कृष्णामूर्ति	परीक्षण सहायक-I, खेदामारा
श्री सुमित कुमार सिंह	डाटा एंट्री ऑपरेटर, अंबिकापुर
श्रीमती अमृता व्यास	प्रबंधक (वित्त), रायपुर
सुश्री लता जगत	सहायक अभियंता, महासमुंद
श्री वेदराम यादव	लाइन परिचारक-II, भिलाई
श्री सत्य प्रकाश राठौर	लाइन परिचारक-I, रायगढ़
श्री हीरा सिंह ध्रुव	लाइन परिचारक-II, रायपुर
सुश्री वीणा ध्रुव	सहायक अभियंता, बिलासपुर

उत्कृष्ट कार्यों के लिए डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने किया सम्मानित



सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी एवं कार्यालयीन कार्मिकों को प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उत्कृष्ट कार्य के लिए नौ अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने आम विद्युत उपभोक्ताओं एवं विद्युत कर्मियों में सुरक्षा जागरूकता हेतु पुस्तिका एवं पोस्टर का विमोचन किया। इसमें कार्यपालक निदेशक श्री एस.आर. बी. खण्डेलवाल, श्री एस.के. ठाकुर, श्री ए.एम. परियल, मुख्य अभियंता श्री राजेन्द्र प्रसाद, श्री मधुकर जामुलकर, श्रीमती चन्द्रकला गिडवानी, महाप्रबंधक श्री नवीन ठाकुर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकरी मौजूद थे। संचालन प्रबंधक जनसंपर्क श्री विकास शर्मा ने किया।

श्री आदर्श कुमार साहू	कनिष्ठ अभियंता, छिंदगढ़
श्री योगेश्वर कोसरिया	उपमहाप्रबंधक (वित्त), दुर्ग
श्री विकास शर्मा	प्रबंधक (PR-IR), रायपुर
श्री छत्रपाल	सहायक अभियंता, हसौद
श्री श्रवण कुमार	कनिष्ठ अभियंता, मनेंद्रगढ़
श्री गगन दौड़िया	कार्यालय सहायक -III
श्री नवीन सिंह राजपूत	कार्यालय सहायक -III
श्री प्रफुल्ल कुमार साहू	तकनीशियन, सिरगिट्टी
श्री लालाराम पटेल	लाइन सहायक-II, राजनांदगांव
श्री टुकेंद्र यादव	परिचारक-I , उरला

प्रबंध निदेशक श्री एस के कटियार ने 5 कर्मियों को किया पुरस्कृत



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा प्रबंध निदेशक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 कर्मचारी एवं अधिकारियों को प्रबंध निदेशक श्री एस के कटियार द्वारा पुरस्कृत किया गया। सेवा उत्कृष्टा सम्मान समारोह में पाचों कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री सीएल नेताम, एमएस कंवर, संदीप मोदी, संजय शुक्ला, सुभाष शर्मा, मुख्य अभियंता देवेंद्र नाथ, रोहित डहरवाल, आई. अंसारी, शशिधर द्विवेदी उपस्थित थे।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री पंकज शर्मा	सहा. श्रेणी-II (वित्त), रायपुर
इमरान खान	अनुभाग अधिकारी (S&P), रायपुर
श्री बलवंत पाटिल	कार्यपालन अभियंता (O&M), रायपुर
श्री सौरभ राय	सहायक अभियंता (FM), रायपुर
श्री हेमन्त कुमार साहू	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (HR), रायपुर

कोरबा पश्चिम (HTPS)



हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अभियंता श्री एच.के. सिंह ने ध्वजारोहण कर पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष का संदेश पढ़ा। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.के. गुप्ता, श्री पी.के. जोशी, श्री आर.के. पाण्डेय, श्री ए.के. शाह, श्री के.एन.बी. राव, श्री एस.सी. पाठक, श्री एस.के. नायर, परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. पंड्या, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल तथा संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रुक्मणी सिंह सहित पदाधिकारी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री प्रभाकर साहू एवं संयंत्र सहायक श्रेणी-एक श्री ब्रिजेश विश्वकर्मा को प्रशस्ति पत्र, पदक एवं प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। सात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीर्घ सेवा के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। स्थानीय स्तर पर 36 अधिकारी-कर्मचारियों तथा 25 समूहों को सम्मानित किया गया, जबकि 22 ठेका श्रमिकों को भी प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया।

मड़वा (ABVTPS)



अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस), मड़वा में स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी तथा पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष का संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर सम्मानित कार्यपालन अभियंता श्री मुकेश कुमार पटेल एवं सहायक अभियंता श्री हरीश चालकी को बधाई दी। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री आलोक लकरा, आर.एल. ध्रुव, एन. लकरा एवं आर.के. नायक, आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता जांगड़े सहित महिला मंडल की पदाधिकारी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर स्थानीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 65 अधिकारी-कर्मचारियों को व्यक्तिगत एवं समूह पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य के लिए 52 ठेका श्रमिकों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में सभी ने राष्ट्र निर्माण में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

दुर्ग



दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी तथा पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष का संदेश पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज, अधीक्षण अभियंता श्री तरुण कुमार ठाकुर, श्री जे. जगन्नाथ प्रसाद एवं श्री आर.के. खरे, तथा उपमहाप्रबंधक श्री संतोष साहू सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिए 12 अधिकारी-कर्मचारियों को रजत पदक, प्रशस्ति-पत्र, प्रोत्साहन राशि एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री पंकज लाल परगनिहा	लाइन सहायक श्रेणी-एक
श्री रवि कुमार साहू	परिचारक श्रेणी-एक (लाइन)
श्री ओंकार प्रसाद	लाइन सहायक श्रेणी-दो
श्री भूपेश कुमार वर्मा	लाइन सहायक श्रेणी-दो
श्री युधिष्ठिर कुमार	परिचारक श्रेणी-एक (लाइन)
श्री दीपक कुमार देवांगन	तकनीशियन
श्री सुकदेव प्रसाद देशमुख	तकनीशियन
श्री तामेश्वर अनंत	कार्यालय सहायक श्रेणी-एक
श्री विद्याविलास साहू	लाइन सहायक श्रेणी-दो
श्री विष्णुशंकर देशमुख	लाइन सहायक श्रेणी-दो
हारुन अहमद अंसारी	परीक्षण सहायक श्रेणी-दो
श्री ऋतुराज सिंह	कार्यालय सहायक श्रेणी-एक

राजनांदगांव



राजनांदगांव क्षेत्र में मुख्य अभियंता श्री एच.के. मेश्राम ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी तथा पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष का संदेश पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर एवं श्री के.सी. खोटे, कार्यपालन अभियंता श्री एम.के. साहू, श्री एन.के. साहू, श्री जी.एस. फ्लोरा, श्री के.एल. उइके एवं श्री शोबी शर्मा, श्रीमती सीमा ढील, श्रीमती कांति नेताम, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री भावेश वाल्दे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पब्लिसिटी ऑफिसर श्री धर्मेन्द्र मंडावी ने किया।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री योगेश कुमार वर्मा	कनिष्ठ अभियंता, कवर्धा
श्री विवेक देवांगन	कनिष्ठ अभियंता, पिपरिया
समीर मोहम्मद	कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन
श्री राजेश कुमार	लाइन सहायक श्रेणी-दो
श्री मनु कुमार सिंह	लाइन परिचारक श्रेणी-एक, सिंघोला
श्री कुलेश्वर पुरामें	लाइन परिचारक (संविदा), साल्हेवारा
श्री अजय कुमार	लाइन परिचारक (संविदा), डोंगरगांव
श्री भारतेश कुमार	लाइन परिचारक (संविदा), कुमरदा
श्री छवि यादव	लाइन परिचारक (संविदा), खुज्जी
श्री सियादास मानिकपुरी	लाइन परिचारक (संविदा), राजनांदगांव
श्री हमेन्द्र कुमार यादव	लाइन परिचारक (संविदा), तरेगांव
श्री जीतू कुमार ध्रुवे	लाइन परिचारक (संविदा), बिरोड़ा

माचाडोली (कोरबा पश्चिम) हसदेव बांगो



मिनीमाता हसदेव बांगो जल विद्युत संयंत्र, माचाडोली में स्वतंत्रता दिवस उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति के साथ मनाया गया। अधीक्षण अभियंता श्री राकेशचंद्र गुप्ता ने ध्वजारोहण कर तिरंगा फहराया और उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। समारोह के दौरान श्रमिकों को प्रोत्साहित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ईएमडी, एमएमडी एवं ऑपरेशन अनुभाग में कार्यरत 14 ठेका श्रमिकों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री प्रकाश जैन, श्री सुनील कुमार टोप्पो, श्री संदीप कुमार भगत, श्री सतीश एक्का सहित सुरक्षा विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक साथी उपस्थित रहे।

घरघोड़ा (रायगढ़) गारे पेलमा



कोल ब्लॉक गारे पेलमा सेक्टर-III में स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रभक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री भुवनेश्वर प्रसाद ने ध्वजारोहण कर तिरंगा फहराया। राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अधीक्षण अभियंता श्री आनंद कुमार खलखो एवं श्री कुलदीप सिंह ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री संजय कुमार जैन, श्री अनुरोध सिंह खुशाल, श्री चंद्रकांत शांडिल, श्री संजय पटेल तथा कार्यपालन अभियंता (सिविल) श्री रामगोपाल यादव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायगढ़



रायगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अभियंता श्री मनीष तनेजा ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अध्यक्ष का संदेश पढ़कर सुनाया। समारोह में अधीक्षण यंत्री श्री गुंजन शर्मा, अधीक्षण यंत्री श्री यू.के. शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रायगढ़ क्षेत्र के अधीनस्थ कार्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्षेत्रीय स्तर पर प्रशस्ति-पत्र, मेडल एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री बृजेन्द्र किशोर दुबे	अनुभाग अधिकारी, चांपा
श्री उमा शंकर साहू	परीक्षण सहायक श्रेणी-एक, बलौदा
श्री संतराम	लाइन सहायक श्रेणी-एक, चांपा
श्री तोताराम निर्मलकर	लाइन सहायक श्रेणी-दो, डभरा
श्री शशि राठिया	लाइन परिचारक श्रेणी-एक, धरमजयगढ़
श्री प्रवीण शर्मा	लाइन टेक्नीशियन, तमनार
श्री तरुण राठौर	लाइन परिचारक श्रेणी-दो, गेरवानी
श्री कमलेश देवांगन	कार्यालय सहायक श्रेणी-3, खरसिया
श्री धनेश्वर प्रसाद पटेल	लाइन परिचारक (संविदा), बरमकेला
श्री हरि सिंह सिदार	लाइन परिचारक (संविदा), रायगढ़
श्री जागेश्वर प्रसाद श्रीवास	लाइन परिचारक श्रेणी-एक, रायगढ़
कु. मोना गोयल	कार्यालय सहायक श्रेणी-दो, जांजगीर

बिलासपुर



बिलासपुर क्षेत्रीय मुख्यालय, तिफरा में कार्यपालक निदेशक (वितरण क्षेत्र) श्री ए.के. अम्बस्थ ने ध्वजारोहण किया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिए 12 अधिकारी-कर्मचारियों को पदक, प्रशस्ति-पत्र एवं पारितोषिक राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेंद्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री वाय.के. मनहर, अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगड़े, श्री आर.के. झा, श्री सुरेन्द्र प्रजापति, श्री डी.पी. बारवा एवं श्री बाहुबल जैन सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री नमन डिक्सेना	कनिष्ठ अभियंता
श्री भूपेन्द्र सिंह कोराम	परिचारक श्रेणी-एक (लाइन)
श्री आनंद उज्जैनी	परिचारक (लाइन)
श्री यशवंत कुमार दिवाकर	परिचारक श्रेणी-एक
श्री कमलेश कुमार यादव	परिचारक श्रेणी-एक
श्री प्रमोद कुमार सिंह	लाइन परिचारक श्रेणी-एक
श्री अमित कुमार तिवारी	कार्यालय सहायक श्रेणी-एक
श्री तिरिथ राम साहू	परिचारक श्रेणी-एक
श्री विनोद कुमार कश्यप	लाइन सहायक श्रेणी-दो
श्री शंकरलाल रॉय	तकनीशियन (वितरण)
श्री गणेश राम साहू	लाइन परिचारक श्रेणी-एक
श्री रवि कुमार शर्मा	कार्यालय सहायक श्रेणी-दो

अंबिकापुर



अंबिकापुर क्षेत्र में मुख्य अभियंता श्री यशवंत शिलेदार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए 12 अधिकारी-कर्मचारियों को पदक, प्रशस्ति-पत्र एवं पारितोषिक राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में अधिकारी एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देकर राष्ट्र के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया। समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ तथा सभी ने उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत सेवा उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर उल्लेखनीय योगदान देने वालों को पुरस्कृत किया गया।

सम्मानित अधिकारी-कर्मचारी

श्री देवशरण ध्रुव	लाइन सहायक श्रेणी-दो
श्री दलप्रताप सिंह	परिचारक श्रेणी-एक
श्री प्रमोद कुमार	परिचारक श्रेणी-एक
श्री गोपाल लकड़ा	लाइन परिचारक (संविदा)
श्री वीरेन्द्र सिंह	परिचारक (लाइन)
श्री जगतपाल	परिचारक श्रेणी-एक
श्री प्रकाश कुमार सूर्यवंशी	परिचारक श्रेणी-दो
श्री द्वारिका प्रसाद	परिचारक सहायक श्रेणी-दो
श्री अनमोल एक्का	लाइन परिचारक (संविदा)
श्री रघुनाथ सिंह	लाइन परिचारक (संविदा)
श्री रामकिशोर राम	लाइन परिचारक (संविदा)
श्री रामकुमार परिहार	अनुभाग अधिकारी

डीएसपीएम, कोरबा (पूर्व)



डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री संजीव कंसल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कारखाना प्रबंधक श्री सुनील सरना, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री एल.एन. सूर्यवंशी, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी एवं प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अल्का कंसल, उपाध्यक्षा श्रीमती अनु सरना, श्रीमती विभा कुरनाल उपस्थित थीं।

स्थानीय स्तर पर 42 अधिकारी-कर्मचारियों, 40 ठेका श्रमिकों, 14 मेधावी विद्यार्थियों, दो कर्मियों को संरक्षा जागरूकता पुरस्कार, एक कर्मी को अग्नि सुरक्षा जागरूकता पुरस्कार, एक सेवानिवृत्त अधिकारी को लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान तथा संयंत्र के 14 ठेका श्रमिकों के 4 समूहों को ग्रुप अवार्ड प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्री पन्ना लाल साहू, सुश्री हेमलता गुरूपंच एवं सुश्री प्रियंका पांडे ने किया तथा श्री देवी शंकर राय ने आभार व्यक्त किया।

सम्मानित अधिकारी

श्री सुनील सरना	अतिरिक्त मुख्य अभियंता (ओ एंड एम)
श्री पी.आर. वारते	अधीक्षण अभियंता (एएचपी)
श्री पुष्पराज पटेल	कार्यपालन अभियंता (एएचपी)
श्री नरेन्द्र कुमार देवांगन	कार्यपालन अभियंता (एएचपी)
सुश्री आशा साहू	सहायक अभियंता

जगदलपुर



जगदलपुर क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन परिसर में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री टी.के. मेश्राम ने ध्वजारोहण कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। समारोह में उत्कृष्ट एवं विशिष्ट कार्य के लिए क्षेत्रीय स्तर पर 12 कर्मचारियों तथा लेखा प्रशिक्षण बैच क्रमांक आर-23 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कुमारी माला सिंह को पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ए.के. गुप्ता, अधीक्षण अभियंता श्री प्रदीप कुमार कंवर एवं श्री वी.के. मैथ्यू, कार्यपालन अभियंता मो. सलीम खान, श्री एस.के. खेस्स, श्री एन.के. मांझी, श्री प्रदीप कुमार अग्रवाणी, श्री अमर भगत, श्री डी.एस. कतलाम, श्री बी.आर. नाग एवं श्री विष्णु मरकाम, सहायक अभियंता श्री विनोद टंडन, श्री फणेश्वर यादव, श्री दीपक संभाकर एवं श्रीमती पुष्पा वर्मा, कनिष्ठ अभियंता श्री मोंकेश चंद्राकर, लेखाधिकारी श्री रूपेश नाग एवं श्री के.के. जॉर्ज, श्री आर.पी. ध्रुव, श्री मंगल सिंह ठाकुर, श्री सत्यजीत चौधरी एवं श्री केशव कुंभरे, प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती सुलभा चौधरी तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. श्रवण सहित वितरण एवं पारेषण कंपनी के अनेक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन विधि अधिकारी श्री गणेश्वर राम ध्रुव ने किया।

धरदेही, बिलासपुर



400 KV सबस्टेशन धरदेही, बिलासपुर (CSPTCL) में 15 अगस्त के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री यशोनिल मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी तथा देश की स्वतंत्रता एवं अखंडता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान सभी ने देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर एई श्री अभिनव सिंह, एई श्रीमती पूनम कौशिक, जेई श्री क्षितिज त्रिपाठी, जेई श्री आशुतोष ताम्रकार, जेई श्री मोहन उपस्थित थे।

उपलब्धि

गारे पेलमा कोयला खदान को राष्ट्रीय स्तर पर फाइव-स्टार रेटिंग

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी की गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान को भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आयोजित स्टार रेटिंग मूल्यांकन में खदान ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। कोयला मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान ने देश की 206 ओपनकास्ट कोयला खदानों में 20वां स्थान प्राप्त किया है।

जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कुमार कटियार ने कहा कि इसके पहले भी केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा जनरेशन कंपनी की गारे पेलमा कोयला खदान को पुरस्कृत किया जा चुका है। वार्षिक कोयला खान सुरक्षा पखवाड़ा-2025 में इस खदान को सात राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए थे। इसके अलावा, पिछले पाँच वर्षों से खदान संचालन में सुरक्षा संबंधी मापदंडों के उत्कृष्ट पालन के लिए इसे लगातार प्रथम पुरस्कार मिल रहा है।

देश की सभी कोयला खदानों का मूल्यांकन खनन संचालन, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक तकनीक के उपयोग, आर्थिक प्रदर्शन, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन, श्रमिक कल्याण तथा सुरक्षा एवं संरक्षा सहित सात प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाता है। इन सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर स्टार रेटिंग निर्धारित की जाती है। गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान को राष्ट्रीय स्तर पर 5-स्टार रेटिंग मिलना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी की यह खदान केवल उत्पादन के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत खनन के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है।

32 मिनट में कोरबा संयंत्र तक पहुंची स्टार्ट-अप पावर

अंतर्राज्यीय ग्रिड के पूर्ण ब्लैकआउट जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों के परीक्षण के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने 25 जुलाई को सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल आयोजित की। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों तक मात्र 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइजेशन कर पूरी विद्युत व्यवस्था को सामान्य करने की प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण कर ली गई।

मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहकर पूरी प्रक्रिया की लगातार निगरानी करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया। ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम



पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया।

इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया। अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन कर सभी विद्युत उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुनः स्थापित कर दी गई।इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री सी.एल. नेताम, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी, अधीक्षण अभियंता श्री संजय चौधरी तथा श्री अभिषेक जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश को अग्रणी बनाने का लक्ष्य : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में 20 जुलाई को स्पीकर हाउस में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सूर्यसभा एवं शून्य बिजली बिल हितग्राही सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के शून्य बिजली बिल प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा अधिक से अधिक सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कर स्वच्छ एवं नि:शुल्क ऊर्जा अपनाने की अपील की।



डॉ. रमन सिंह ने बताया कि राजनांदगांव जिले के लिए 13,500 सोलर संयंत्रों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 8,300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं तथा 4,117 हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल चुका है। इनमें 1,200 से अधिक उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अभियान के रूप में योजना का प्रचार-प्रसार करने का आह्वान करते हुए कहा कि जिस नगर निगम वार्ड अथवा ग्राम पंचायत के 50 प्रतिशत घरों में सोलर संयंत्र स्थापित हो जाएंगे, उन्हें 10 लाख रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों की स्वीकृति दी जाएगी तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के लगभग 44 हजार मकानों में इस वित्तीय वर्ष के दौरान अधिक से अधिक सोलर संयंत्र स्थापित कराने का लक्ष्य रखा गया है।

इस अवसर पर महापौर श्री मधुसूदन यादव, कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, पद्मश्री श्रीमती फूलबासन यादव, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, श्री खूबचंद पारख, श्री कोमल सिंह राजपूत, विधायक प्रतिनिधि श्री रूपचंद भिमनानी, श्री संतोष अग्रवाल, श्री रमेश पटेल, श्री सौरभ कोठारी, वनमंडलाधिकारी श्री आयुष जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर श्री सी.एल. मारकण्डेय, एसडीएम श्री श्रीकांत कोर्राम, विद्युत विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

महाराष्ट्र मंडल में 100 किलोवॉट सौर ऊर्जा संयंत्र शुरु



रायपुर। महाराष्ट्र मंडल परिसर में 26 जुलाई 2026 को 100 किलोवॉट सौर ऊर्जा संयंत्र का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह संयंत्र अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा तथा महाराष्ट्र मंडल के सदस्य अपने घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर आम लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल की वर्तमान मासिक बिजली खपत लगभग 13 हजार यूनिट है। 100 किलोवॉट क्षमता का यह संयंत्र प्रतिमाह लगभग 10 हजार यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता सर्वश्री संजीव सिंह, महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले, उपाध्यक्ष गीता श्याम दलाल, सचिव चेतन गोविंद दंडवते, दीपक हटवार, पार्षद आनंद अग्रवाल, मंडल पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं पॉवर कंपनी के अधिकारी उपस्थित थे।

संभागीय कार्यालय से 344 गांवों को मिलेगा लाभ



बिलासपुर। तखतपुर, कोटा और बेलतरा क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 1 अप्रैल को नवीन संभागीय कार्यालय बिलासपुर-2 (सकरी) का शुभारंभ किया गया। लोकार्पण समारोह में तखतपुर विधायक डॉ. धर्मजीत सिंह, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर उपस्थित थे। नए संभागीय कार्यालय के प्रारंभ होने से तखतपुर, कोटा और बेलतरा क्षेत्र के लगभग 75 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्थ, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री डी.के. भोजक, अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगड़े, श्री पी.आर. साहू, श्री आर.के. झा, श्री पी.एस. राजू उपस्थित थे।

विशेष लेख

- गोविन्द पटेल
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

बिजली मीटर के विकास का अगला स्वाभाविक कदम है **स्मार्ट मीटर**

आज के दौर में सूचना ही सबसे बड़ी शक्ति है। जिसके पास सही और समय पर जानकारी होती है, वह बेहतर निर्णय ले सकता है। स्मार्ट मीटर भी बिजली उपभोक्ता को यही क्षमता देता है। यह उसे अपनी बिजली खपत को समझने, उसका विश्लेषण करने और आवश्यकता के अनुसार नियंत्रित करने का अवसर प्रदान करता है।

मुझे अपनी पुरानी मारुति 800 कार याद आती है। उसमें किलोमीटर मीटर के साथ केवल पेट्रोल इंडिकेटर होता था। उससे केवल इतना पता चलता था कि गाड़ी कितनी चली और कितना पेट्रोल बचा है। लेकिन आज की कारों के स्मार्ट डिजिटल डैशबोर्ड हर पल बताते हैं कि गाड़ी कितनी माइलेज दे रही है, किस गति पर ईंधन की खपत बढ़ रही है और कितनी दूरी तक चल सकती है। जानकारी बढ़ी है, इसलिए वाहन पर नियंत्रण भी पहले से बेहतर हुआ है। ठीक ऐसा ही सफर बिजली मीटर का भी है। उन्नीसवीं सदी में जब पहली बार बिजली लोगों के घरों तक पहुंची, तब कई स्थानों पर उपभोक्ताओं से बल्बों की संख्या के आधार पर शुल्क लिया जाता था। बाद में मेकेनिकल बिजली मीटर विकसित हुए।



भारत में लंबे समय तक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल मीटरों का व्यापक उपयोग हुआ। इनमें घूमने वाली डिस्क होती थी, जो बिजली की खपत दर्ज करती थी। एक जमाना था जब बिजलीकर्मी डायरी लेकर घर-घर जाते और रीडिंग नोट करते थे। यह व्यवस्था अपने समय के लिए उपयोगी थी, लेकिन मानवीय त्रुटियों की संभावना बनी रहती थी।

इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक मीटर आए, जिनमें छेड़छाड़ की संभावना काफी कम हुई। फिर मल्टी-फंक्शन डिजिटल मीटर विकसित हुए, जो बिजली खपत के साथ वोल्टेज, अधिकतम मांग (मैक्सिमम डिमांड) जैसी तकनीकी जानकारियां भी दर्ज करने लगे। तुरंत बिल तैयार करने की व्यवस्था भी विकसित हुई। इसके बावजूद एक कमी बनी रही। उपभोक्ता को महीने के अंत में ही पता चलता था कि उसने कितनी बिजली खर्च की। प्रतिदिन अपनी खपत जानने और उसे नियंत्रित करने का अवसर उसके पास नहीं था। यहीं से स्मार्ट मीटर की आवश्यकता महसूस हुई। वर्ष 2001 में इटली ने बड़े पैमाने पर स्मार्ट मीटर का उपयोग शुरू किया। आज दुनिया के अधिकांश विकसित और अनेक विकासशील देशों में स्मार्ट मीटर बिजली व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

पारंपरिक मीटर और स्मार्ट मीटर के बीच सबसे बड़ा अंतर सूचना के प्रवाह का है। स्मार्ट मीटर से डेटा कंपनी के सर्वर तक पहुंच जाता है। जहां यह सुविधा उपलब्ध है, वहां उपभोक्ता भी मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी बिजली खपत का विवरण देख सकता है। अर्थात अब बिजली की जानकारी केवल बिजली कंपनी के पास ही नहीं रहती, बल्कि उपभोक्ता के हाथ में भी आ गई है। स्मार्ट मीटर पहली बार उपभोक्ता को अपनी बिजली खपत को नियमित रूप से देखने और समझने का अवसर देता है। इससे बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होती है और आवश्यकता पड़ने पर उपभोक्ता स्वयं भी अपनी खपत का मिलान कर सकता है। उसे केवल महीने के अंत में आने वाले बिल पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

भारत सरकार ने वर्ष 2021 में रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) प्रारंभ की, जिसके अंतर्गत देशभर में चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2023-24 से इसका क्रियान्वयन प्रारंभ हुआ। आज प्रदेश के लगभग 55 लाख उपभोक्ताओं में से 41 लाख से अधिक घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

स्मार्ट मीटर का कार्य केवल उपभोक्ता की वास्तविक बिजली खपत को दर्ज करना है। उपभोक्ताओं की शंकाओं के समाधान के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने चार हजार से अधिक घरों में समानांतर चेक मीटर लगाकर दोनों मीटरों की खपत का परीक्षण किया। जांच में दोनों मीटरों की दर्ज खपत समान पाई गई।

वर्तमान में बिजली बिल बढ़ने की शिकायतों के विश्लेषण से यह सामने आया है कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। गर्मी के मौसम में एसी, कूलर और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली की खपत बढ़ जाती है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस वर्ष अप्रैल, मई और जून में अधिक गर्मी दर्ज की गई। ऐसे में अनेक उपभोक्ताओं की बिजली खपत बढ़ी, जिसका सीधा प्रभाव उनके बिजली बिल पर पड़ा। कई उपभोक्ता 400 यूनिट की सीमा पार कर एम-ऊर्जा (हाफ बिजली) योजना के दायरे से बाहर हो जाते हैं। वहीं कुछ मामलों में स्वीकृत भार से अधिक लोड उपयोग करने पर अधिकतम मांग (मैक्सिमम डिमांड) से संबंधित प्रभार भी बिल में जुड़ जाता है। इन परिस्थितियों को स्मार्ट मीटर से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा।

स्मार्ट मीटर होने से ही उपभोक्ता अपने छतों पर लगे सोलर प्लांट से उत्पादित बिजली की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से रूफटॉप सोलर अपनाकर उपभोक्ता अपनी बिजली आवश्यकता का बड़ा हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है और कई मामलों में यह लगभग शून्य तक भी पहुंच सकता है।

आज आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास का आधार विश्वसनीय विद्युत व्यवस्था है। बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था का सुदृढ़ होना आवश्यक है। बिजली की चोरी और दुरुपयोग का नुकसान अंततः पूरे समाज को उठाना पड़ता है। पारदर्शी और उत्तरदायी विद्युत व्यवस्था हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। स्मार्ट मीटर केवल एक मीटर नहीं, बल्कि पारदर्शी और जवाबदेह बिजली व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह वास्तविक बिजली खपत का सटीक रिकॉर्ड उपलब्ध कराता है और उपभोक्ता को अपनी खपत समझने में सहायता करता है। यह उपभोक्ताओं को अपनी बिजली खपत की सूचना प्रदान करने का सशक्त माध्यम है, यह बिजली की सूचना का अधिकार प्रदान करता है, क्योंकि सही सूचना ही आज सबसे बड़ी शक्ति है।

आधुनिक तकनीक से ट्रांसमिशन नेटवर्क को मिली नई मजबूती







छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने आधुनिक तकनीक, सुनियोजित कार्ययोजना और अभियंताओं की तकनीकी दक्षता के बल पर ऐसे चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए, जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में अत्यंत कठिन माना जाता है। कहीं व्यस्त रेलवे ट्रैक के ऊपर से 220 केवी लाइन का निर्माण किया गया तो कहीं चालू उच्चदाब विद्युत लाइनों तथा रेलवे ट्रैक को बिना प्रभावित किए 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन का तार खींचा गया। इन कार्यों से विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हुई और ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के चेयरमेन श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी की पूरी टीम को बधाई दी।

चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉटलाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई–हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉटलाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को 24 जुलाई को सफलतापूर्वक पूरा किया।

दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन तथा इस लाइन के पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी तक सीधे बिजली

पहुंच सकेगी। इसके साथ ही रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

लगभग 200 मीटर लंबे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया। लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर खींचने में तीन दिन का समय लगा। पूरी प्रक्रिया रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए तथा सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सफलतापूर्वक पूरी की गई।

इस कार्य में कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ईश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता श्री वी.ए. देशमुख, कार्यपालन अभियंता श्री यू.के. यादव तथा विभागीय अभियंताओं और तकनीकी टीम का विशेष योगदान रहा।

बिलासपुर में हॉटलाइन तकनीक से खींचा गया 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन का तार

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने आधुनिक हॉटलाइन स्ट्रिंगिंग तकनीक का उपयोग करते हुए 765/400 केवी बिलासपुर पूल (सीपत) सब-स्टेशन से 400/220 केवी धरदेही (जिला मुंगेली) सब-स्टेशन के बीच निर्माणाधीन 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन पर महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

2 जून से 27 जून 2026 के बीच इस तकनीक से चालू उच्चदाब विद्युत लाइनों तथा घुटकु–कलमितर रेलवे स्टेशनों के बीच ओवरहेड रेलवे ट्रैक को बिना प्रभावित किए नई ट्रांसमिशन लाइन का तार खींचा गया। इस तकनीक से उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बाधित किए बिना परियोजना का कार्य समय पर पूरा किया जा सका। विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा निर्माण एजेंसी ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

इस कार्य में कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री प्रसन्ना गोसावी, अधीक्षण अभियंता श्री वी.वी.एस. कंवर, कार्यपालन अभियंता श्री जी.आर. जायसवाल सहित विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा निर्माण एजेंसी की टीम ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।



रेलवे ट्रैक और चालू विद्युत लाइनों के ऊपर हॉट-लाइन तकनीक से कार्य पूरा करना हमारी अभियंता टीम की तकनीकी दक्षता, सुरक्षा अनुशासन और सुनियोजित कार्यशैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।

श्री राजेश कुमार शुक्ला
प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी

कैसे पूरा हुआ चुनौतीपूर्ण कार्य?

- चालू विद्युत लाइनों को बंद किए बिना कार्य किया गया।
- व्यस्त रेलवे ट्रैक के ऊपर सुरक्षित तरीके से लाइन खींची गई।
- पायलट रोप और विंचिंग मशीनों की सहायता से कंडक्टर स्थापित किए गए।
- पूरे कार्य के दौरान रेलवे यातायात और बिजली आपूर्ति दोनों प्रभावित नहीं हुए।
- सभी चरणों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।



मुकेश माथुर (PO), बिलासपुर
अनामिका मंडावी (PO), रायपुर

ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी का समन्वित प्रयास

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शीघ्र सामान्य हुई बिलासपुर की बिजली व्यवस्था









बिलासपुर। 17 जुलाई 2026 को बिलासपुर में हुई लगभग 410 मिमी रिकॉर्ड वर्षा ने जनजीवन के साथ विद्युत व्यवस्था के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। शहर के अनेक क्षेत्रों में जलभराव हो गया, कई स्थानों पर पेड़ गिरने से विद्युत लाइनें प्रभावित हुईं तथा उपकेन्द्रों एवं विद्युत उपकरणों के आसपास पानी भर गया। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के चेयरमेन श्री सुबोध कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर के निर्देशन में ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों की टीमों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखा तथा प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल की।


जलप्रलय के बीच बिजली योद्धाओं की रातभर
जंग, पानी में उतर कर बचाई शहर की रोशनी

पत्रिका, बिलासपुर में प्रकाशित

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, फिर चरणबद्ध बिजली बहाली

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सामने चुनौती केवल विद्युत आपूर्ति बहाल करने की नहीं, बल्कि उसे पूरी तरह सुरक्षित ढंग से पुनः संचालित करने की थी। विजयनगर, बनवापारा और देवनगर सहित कई क्षेत्रों में जलभराव के कारण विद्युत उपकरण प्रभावित हुए। नेहरू नगर उपकेन्द्र परिसर में भारी जलभराव होने से सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित हिस्से की बिजली आपूर्ति तत्काल बंद की गई। कंट्रोल रूम में पानी प्रवेश करने पर वहां स्थापित बैटरी सिस्टम को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया तथा पानी निकासी की व्यवस्था कर उपकरणों को सुरक्षित रखा गया।

जहां विद्युत व्यवस्था सुरक्षित थी, वहां "हेल्दी सेक्शन" के माध्यम से वैकल्पिक आपूर्ति जारी रखी गई, जिससे व्यापक क्षेत्र में अनावश्यक विद्युत व्यवधान से बचा जा सका। कई स्थानों पर फीडरों को अस्थायी रूप से बंद कर वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से ट्रांसफॉर्मरों का संचालन किया गया, ताकि अधिकतम उपभोक्ताओं तक बिजली आपूर्ति बनी रहे।

"सेफ्टी फर्स्ट" बना पूरे अभियान का आधार

पूरे अभियान के दौरान "सेफ्टी फर्स्ट" के सिद्धांत का कड़ाई से पालन किया गया। किसी भी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रारंभ करने से पहले संबंधित अधिकारियों द्वारा सुरक्षा परीक्षण एवं सेफ्टी क्लीयरेंस सुनिश्चित किया गया। इसके बाद ही चरणबद्ध तरीके से विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया।

50 सदस्यीय टीम ने दिन-रात किया कार्य

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिलासपुर रीजन के सभी सातों जोनों में एक साथ निगरानी एवं समन्वय स्थापित किया गया। नियमित तथा आउटसोर्सिंग लाइन स्टाफ सहित लगभग 50 सदस्यीय टीमों को अलग-अलग दलों में विभाजित कर प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया। टीमों

ने जलभराव वाले क्षेत्रों में लगातार फॉल्ट का पता लगाया, क्षतिग्रस्त विद्युत लाइनों एवं उपकरणों की मरम्मत की, गिरे हुए पेड़ों को हटाया तथा सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए चरणबद्ध ढंग से बिजली आपूर्ति बहाल की। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 8 से 9 घंटे के भीतर विद्युत आपूर्ति पुनः सामान्य कर दी गई। देर रात लगभग 12:30 बजे तक पुनर्स्थापन का कार्य जारी रहा, जिसके बाद प्रभावित उपकेन्द्रों को सुरक्षित रूप से पुनः चालू किया गया।

जलभराव के बीच भी नहीं रुके तकनीकी कार्य

लगातार बारिश और जलभराव के बावजूद ट्रांसमिशन कंपनी की तकनीकी टीमों ने महत्वपूर्ण उच्च दाब उपकेन्द्रों पर आवश्यक रखरखाव एवं सुधार कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रखा। उपकेंद्रों के भीतर सर्किट रूम तक पानी भर गए थे। जिन्हें तत्काल निकालने की व्यवस्था की गई। 132 केवी उपकेन्द्र तिफरा में जलभराव के बीच 33 केवी वैक्यूम सर्किट ब्रेकर (VCB) के आवश्यक रखरखाव एवं सुधार कार्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए सफलतापूर्वक सम्पन्न किए गए। इसी प्रकार 220 केवी उपकेन्द्र मोपका में मूसलाधार वर्षा के दौरान 220 केवी एवं 132 केवी ब्रेकरों का रखरखाव तथा 132 केवी करंट ट्रांसफार्मर (CT) के इरेक्शन का महत्वपूर्ण कार्य पूरा किया गया। तेज बारिश के बीच ऊंचाई पर कार्य करते हुए तकनीकी दल ने अनुशासन, दक्षता और कार्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया।

इसके अतिरिक्त 220 केवी उपकेन्द्र मोपका तथा 132 केवी उपकेन्द्र चकरभाठा और सिलपहरी में भी नियमित रखरखाव एवं तकनीकी कार्य निरंतर जारी रहे। ये उच्च दाब उपकेन्द्र बिलासपुर शहर, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों, औद्योगिक इकाइयों तथा आवश्यक सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इन उपकेन्द्रों पर तकनीकी कार्यों का निर्बाध जारी रहना ट्रांसमिशन कंपनी की तकनीकी दक्षता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक रहा।

समन्वय ने आसान बनाई चुनौती

इस पूरे अभियान की सबसे बड़ी विशेषता ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के बीच प्रभावी समन्वय रहा। एक ओर ट्रांसमिशन कंपनी ने महत्वपूर्ण उच्च दाब उपकेन्द्रों पर आवश्यक तकनीकी कार्य एवं रखरखाव जारी रखा, वहीं दूसरी ओर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने प्रभावित क्षेत्रों में फॉल्ट सुधार, वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था और चरणबद्ध बिजली बहाली का कार्य तेज गति से किया। दोनों कंपनियों के समन्वित प्रयासों से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी विद्युत व्यवस्था को शीघ्र सामान्य किया जा सका।

जब अधिकांश लोग लगातार हो रही बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर थे, उस समय पावर कंपनी के अभियंता, लाइनमैन और तकनीकी कर्मचारी जलभराव वाले उपकेन्द्रों, विद्युत लाइनों और वितरण तंत्र को सामान्य बनाने में जुटे हुए थे। उनका एकमात्र उद्देश्य था—उपभोक्ताओं तक सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना।

बिलासपुर की यह चुनौतीपूर्ण परिस्थिति केवल प्राकृतिक आपदा का सामना करने की कहानी नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, तकनीकी दक्षता और टीमवर्क का भी प्रेरक उदाहरण है। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विपरीत परिस्थितियों में जिस कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समन्वय का परिचय दिया, उसने यह सिद्ध कर दिया कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समर्पित मानव संसाधन ही विद्युत व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं।



रिकॉर्ड वर्षा के दौरान हमारी पहली प्राथमिकता जनसुरक्षा थी। पूरी टीम ने समन्वित ढंग से कार्य करते हुए चरणबद्ध तरीके से विद्युत आपूर्ति बहाल की।

श्री आलोक कुमार अम्बस्थ
ED, Bilaspur
CSPDCL



हमारी तकनीकी टीमों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी कार्यकुशलता, सुरक्षा अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट परिचय दिया, जिससे विद्युत तंत्र की विश्वसनीयता बनी रही।

श्रीमती कल्पना घाटे
ED, S/S Bilaspur,
CSPTCL



पारेषण अधोसंरचना के विस्तार से सुदृढ़ हो रहा विद्युत नेटवर्क

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पारेषण अधोसंरचना का निरंतर विस्तार एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2026 के दौरान अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर नई ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता जोड़ी गई तथा नई पारेषण लाइनों का सफल ऊर्जीकरण किया गया। इन परियोजनाओं से औद्योगिक विकास को गति मिलने के साथ-साथ घरेलू, कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं के लिए भी विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई है।



प्रदेश की औद्योगिक परियोजनाओं के लिए सुदृढ़ हुई पारेषण व्यवस्था

9 जुलाई को 220/132 केवी लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में स्थापित 160-160 एमवीए क्षमता के दो 220/132 केवी पावर ट्रांसफार्मरों का सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा किया गया। प्रथम ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण सायं 5:22 बजे तथा द्वितीय का 5:27 बजे किया गया, जिससे उपकेंद्र में 320 एमवीए अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता उपलब्ध हुई।

प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि अतिरिक्त क्षमता से वर्तमान एवं भविष्य की विद्युत मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी तथा पारेषण नेटवर्क और अधिक सक्षम बनेगा। उन्होंने बताया कि इस उपकेंद्र से राजनांदगांव जिले के प्रस्तावित इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी-2.0/सेमीकंडक्टर पार्क) तथा बिजेभाट औद्योगिक क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे दुर्ग से राजनांदगांव तक औद्योगिक विकास एवं उपभोक्ताओं को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, कार्यपालक निदेशक (पीसी एंड आरए) श्री के.एस. मनोठिया, कार्यपालक

एक नजर में

- 9 जुलाई को दो 160 एमवीए ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत
- 320 एमवीए अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता
- सेमीकंडक्टर पार्क एवं औद्योगिक क्षेत्र को मिलेगा लाभ
- दुर्ग एवं राजनांदगांव क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था होगी मजबूत
- एक ही दिन में तीन परियोजनाओं का सफल ऊर्जीकरण

निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री वी.के. दीक्षित, कार्यपालक निदेशक (ओ एंड एम) श्री संजय आर.बी. खंडेलवाल, कार्यपालक निदेशक दुर्ग क्षेत्र श्री शिरीष सेलट, मुख्य अभियंता श्री अब्राहम वर्गीस एवं श्री प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पी.पी. सिंह, श्री आर.के. तिवारी, श्री आर.के. मिश्रा, अधीक्षण अभियंता श्री करुणेश यादव एवं श्री सुनील भुआर्य सहित परियोजना से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मोपका उपकेंद्र में 160 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत



बिलासपुर के 220/132 केवी मोपका उपकेंद्र में 160 एमवीए क्षमता के नए पावर ट्रांसफार्मर का 23 जून को सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण किया गया। 6 जनवरी 2026 को पुराने ट्रांसफार्मर के विफल होने के बाद ट्रांसमिशन कंपनी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नए ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं ऊर्जीकरण पूरा किया। इससे लगभग 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस परियोजना पर लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत आई है। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने स्विच दबाकर नए ट्रांसफार्मर के माध्यम से विद्युत आपूर्ति का शुभारंभ किया तथा कहा कि समयबद्ध तरीके से ट्रांसफार्मर स्थापित कर उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेंद्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सतीश कुमार दुबे, अधीक्षण अभियंता श्री गौतम केनार, श्री व्ही.बी.एस. कंवर, श्री रवि चन्द्राकर, कार्यपालन अभियंता श्री जी.आर. जायसवाल, सुश्री आरती मधु कुजूर, श्री तामेश्वर सिंह, श्री प्रवीण ठाकुर, श्री योगेश्वर सिन्हा, श्री अनिल सैनी, सहायक अभियंता सुश्री वीणा ध्रुव, श्री बजरंग विश्वकर्मा, वर्षा कुर्रे, श्री अमन मेहर, श्री प्रेमलाल उरांव तथा कनिष्ठ अभियंता श्री मनुराम, श्री सोमदत्ता शुक्ला, सिंधुजा मिश्रा एवं श्री विजय पटेल सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर में

- 160 एमवीए नया पावर ट्रांसफार्मर
- लगभग 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं को लाभ
- परियोजना लागत 12 करोड़ रुपये
- पुराने ट्रांसफार्मर के स्थान पर नई व्यवस्था

132/33 केवी उपकेंद्र सांकरा की क्षमता बढ़ी, ओवरलोड एवं लो वोल्टेज की समस्या से मिलेगी राहत

महासमुंद जिले के 132/33 केवी उपकेंद्र सांकरा में 40 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर का सफल ऊर्जीकरण 03 अगस्त को प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया गया। नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से उपकेंद्र की कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 143 एमवीए हो गई



है। यह कार्य मात्र एक माह 15 दिन में पूरा किया गया। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश के पारेषण नेटवर्क को योजनाबद्ध ढंग से सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के चालू होने से ओवरलोड एवं लो वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी तथा लगभग 200 गांवों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री अब्राहम वर्गीस, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी, अधीक्षण अभियंता श्री विक्रम मंधान, कार्यपालन अभियंता श्री प्रशांत साहू, श्री विंध्याचल गुप्ता, श्री प्रदीप साहू, श्री गौरव रघुवंशी, सहायक अभियंता श्री राजेंद्र चौहान, सुश्री लता जगत, श्री नारायण प्रसाद लोधी, श्री अंकुर तथा श्री दीपक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि गत वर्ष पीक लोड सीजन के दौरान उपकेंद्र पर लगभग 96 एमवीए तक लोड दर्ज किया गया था, जिससे ओवरलोड एवं लो वोल्टेज की समस्या उत्पन्न हो रही थी। अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के चालू होने से इन समस्याओं से राहत मिलेगी तथा लगभग 200 गांवों को बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी। सांकरा उपकेंद्र को 132 केवी सरायपाली तथा 132 केवी झलप पारेषण लाइनों से विद्युत आपूर्ति प्राप्त होती है।

एक नजर में

- 03 अगस्त को 40 एमवीए ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत
- कुल क्षमता बढ़कर 143 एमवीए
- लगभग 200 गांवों को लाभ
- ओवरलोड एवं लो वोल्टेज की समस्या से राहत

एक ही दिन में तीन परियोजनाओं का हुआ ऊर्जीकरण



15 जुलाई को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने एक ही दिन में तीन महत्वपूर्ण पारेषण परियोजनाओं का सफल ऊर्जीकरण कर पारेषण तंत्र को नई मजबूती प्रदान की। पहली परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन 220/132/33 केवी उपकेंद्र अहिवारा में 132 केवी भिलाई-बेरला परिपथ के एलआईएलओ कार्य के साथ लगभग 7.38 किलोमीटर लंबी लाइन का ऊर्जीकरण किया गया। दूसरी परियोजना में 132/33 केवी उपकेंद्र अमलेश्वर में 132 केवी डोमा-पाटन परिपथ-2 के एलआईएलओ कार्य के अंतर्गत डोमा बे तथा लगभग 9.68 किलोमीटर लंबी लाइन ऊर्जीकृत की गई। तीसरी परियोजना में 132/33 केवी उपकेंद्र रसमड़ा से एम/एस जेडी इस्पात को 132 केवी वोल्टेज स्तर पर विद्युत आपूर्ति प्रारंभ की गई। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश के पारेषण तंत्र की क्षमता एवं विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा औद्योगिक एवं अन्य उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन में कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पी.पी. सिंह, अधीक्षण अभियंता श्री सुनील भुआर्य, कार्यपालन अभियंता श्री एम.आर. शेरके एवं श्री हेमंत वरंगे, सहायक अभियंता श्री प्रवीण कुमार शुक्ला एवं श्री एस.पी. मंडावी तथा कनिष्ठ अभियंता श्री शोएब अहमद सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

132 केवी उपकेंद्र उदयपुर में 40 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

बिलासपुर स्थित 132 केवी उपकेंद्र उदयपुर में 40 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर 27 अप्रैल को प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा स्विच दबाकर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 6.15 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस ट्रांसफार्मर के चालू होने से उदयपुर तथा लखनपुर विकासखंड के लगभग 168 गांवों के 35 हजार उपभोक्ताओं को अनवरत एवं उच्च गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेंद्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.बी.एस. कंवर, श्री रवि चन्द्राकर, श्री डी.एस. पटेल, श्री के.एन. सिंह, कार्यपालन अभियंता श्री ललित भगत, श्री जी.आर. जायसवाल, श्री बी.के. टोप्पो, श्री अजय कंवर, श्री रोशन नागवंशी, सहायक अभियंता श्री आशीष सोनी, श्री कैलाश सिंह तथा कनिष्ठ अभियंता श्री किशोर सिदार, श्री नीरज सिंह, पूजा सिंह, श्री तेजस, श्री शकील अहमद, श्री राजेन्द्र राजवाड़े उपस्थित थे।

132 केवी उपकेंद्र छुरीखुर्द में 40 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

बिलासपुर स्थित 132 केवी उपकेंद्र छुरीखुर्द में 40 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर 27 अप्रैल को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 4.31 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित इस ट्रांसफार्मर का शुभारंभ प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने स्विच दबाकर किया। इससे लगभग 50 गांवों के उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति होगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उपकेंद्र) श्रीमती कल्पना घाटे, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.बी.एस. कंवर, श्री रवि चन्द्राकर, श्री डी.एस. पटेल, कार्यपालन अभियंता श्री एस.सी. भगत, श्री नवीन केरकेट्टा, श्री प्रवीण कुमार ठाकुर, श्री अजय कंवर, श्री जी.आर. जायसवाल, श्री असीम मिश्रा, श्री विजय पाले, श्री बसंत टोप्पो उपस्थित थे।



विभिन्न आयोजन एवं गतिविधियां

ई-ऑफिस के लिए प्रदेशभर में प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने 1 अगस्त से प्रदेशभर के सभी क्षेत्रीय (रीजनल) एवं संभागीय (डिवीजन) कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली अनिवार्य रूप से लागू कर दी है। इसके सफल क्रियान्वयन के



लिए 2 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार दो पालियों में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (ईआईटीसी) के अनुसार प्रदेशभर में लगभग 800 कार्यालय संचालित हैं, जिनके लिए अब तक करीब 6,000 यूजर आईडी बनाई जा चुकी हैं। मुख्यालय में नवंबर 2025 से ई-ऑफिस लागू है। सीई (एचआर) श्रीमती रश्मि वर्मा ने सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस के क्रियान्वयन संबंधी परिपत्र भी जारी किया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर 6 जुलाई को कोरबा पूर्व संयंत्र में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कारखाना प्रबंधक श्री सुनील सरना, अतिरिक्त मुख्य



अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एल.एन. सूर्यवंशी तथा श्रीमती मालती जोशी ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय, कल्याण अधिकारी एवं सिविल विभाग द्वारा किया गया। उन्होंने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

पंडरीपानी में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व संयंत्र के मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल के मार्गदर्शन में 6 जुलाई को ग्राम पंडरीपानी के पंचायत भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।



शिविर का शुभारंभ अधीक्षण अभियंता श्री ठाकुर तथा मुख्य रसायनज्ञ (मुख्यालय) श्री एस.एन. उत्तम सिंह चंद्रवंशी की उपस्थिति में हुआ। शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। कोरबा पूर्व मुख्य चिकित्सालय के डॉ. कान्हा कृष्ण अग्रवाल, फार्मासिस्ट श्री करन यादव, एंग्लो बंधन, वार्ड बॉय प्रत्युष पांडे तथा वाहन चालक अजय रवि ने शिविर के सफल संचालन में सराहनीय सहयोग दिया।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा 27 जुलाई को सेवा भवन में 'प्रकृति का ख्याल रखें, आपदा के लिए तैयार रहें' अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण



कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारी बीके माधुरी दीदी (सदस्य, साइंटिस्ट, इंजीनियर एवं आर्किटेक्ट विंग, सीईए) ने पर्यावरण संरक्षण, आपदा पूर्व तैयारी, मानसिक संतुलन एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण पर मार्गदर्शन दिया। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि बिजली क्षेत्र में संकट एवं आपदाओं के दौरान शांत मन से कार्य करना आवश्यक है और यह कार्यक्रम सभी के लिए उपयोगी रहा।

मड़वा विद्युत संयंत्र में पालना घर का शुभारंभ

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस), मड़वा में 8 जुलाई को संयंत्र परिसर में नव स्थापित पालना घर का शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री एच.एन. कोसरिया ने किया। पालना घर के शुभारंभ के



साथ ही महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने बच्चों के लालन-पालन एवं सुरक्षा की चिंता से राहत मिलेगी, जिससे वे निश्चिंत होकर अपने कार्यों का निर्वहन कर सकेंगी। पालना घर का संचालन प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 5:30 बजे तक होगा। यहां बच्चों के आराम, खेल सामग्री, मनोरंजन के लिए टीवी एवं साउंड बॉक्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

धमधा में विद्युत सुरक्षा कार्यशाला

दुर्ग। धमधा उपसंभाग एवं वितरण केंद्र के मैदानी अमले में कार्यरत तकनीकी एवं विद्युत कर्मियों के लिए 27 जुलाई को धमधा वितरण केंद्र में निरीक्षण के साथ एक दिवसीय विद्युत सुरक्षा कार्यशाला आयोजित



की गई। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज, कार्यपालन अभियंता श्री टी सहारे एवं श्रीमती अनसुईया ठाकुर ने एल.टी. सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर, डिस्चार्ज रॉड सहित सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने के निर्देश दिए। कार्यशाला में सहायक अभियंता श्री ए.के. धनकर, कनिष्ठ अभियंता श्री राहुल गोपलानी सहित धमधा उपसंभाग एवं वितरण केंद्र के समस्त तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिचयावली



श्री हेमंत कुमार सिंह

मुख्य अभियंता (उत्पादन), हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम

जन्म : 14 अक्टूबर 1964, महू (मध्यप्रदेश)
शिक्षा : बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन्स इंजीनियरिंग), शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर (1986)
वर्तमान पद : मुख्य अभियंता (उत्पादन), हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम
विशेषज्ञता : कंट्रोल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन

कंट्रोल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में सुदीर्घ अनुभव रखने वाले श्री हेमंत कुमार सिंह वर्तमान में हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में मुख्य अभियंता (उत्पादन) की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। विद्युत मंडल एवं पावर कंपनी की 38 वर्ष 10 माह की सेवा अवधि में कोरबा पश्चिम की 500 मेगावाट विस्तार परियोजना के इरेक्शन एवं कमीशनिंग तथा 210 मेगावाट इकाइयों के डिजिटल कंट्रोल सिस्टम का कार्य उनके लिए आत्मसंतोष के साथ गौरवपूर्ण उपलब्धि रहा है।

श्री हेमंत कुमार सिंह का जन्म 14 अक्टूबर 1964 को महू (मध्यप्रदेश) में हुआ। उनके पिताजी डॉ. लाल चंद सिंह तथा माताजी स्वर्गीय श्रीमती गोदावरी देवी थीं। उनके पिता प्रोफेसर रहे तथा जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के सांख्यिकी विभाग में विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनकी माताजी गृहिणी थीं। श्री सिंह की स्कूली शिक्षा वर्ष 1981 में क्राइस्ट चर्च बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल, जबलपुर से पूर्ण हुई। वर्ष 1986 में उन्होंने शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर से बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन्स इंजीनियरिंग) की उपाधि प्राप्त की। अध्ययन पूरा करते ही कैंपस सेलेक्शन के माध्यम से उन्हें हिंदुस्तान कंप्यूटर लिमिटेड (एचसीएल) में कार्य करने का अवसर मिला। वे 1 सितंबर 1986 से अगस्त 1987 तक वहाँ कार्यरत रहे। सितंबर 1987 में उनका चयन मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में स्नातक प्रशिक्षु (पीजीटीआई), कोरबा पूर्व के रूप में हुआ। सितंबर 1988 में उनकी पहली पदस्थापना सहायक अभियंता के रूप में हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में कार्यालय अधीक्षण अभियंता (सर्विसेस)-सीएचपी बाह्य (मेंटेनेंस) में की गई। जनवरी 2008 में उनकी पदोन्नति कार्यपालन अभियंता के पद पर हुई तथा उनकी पदस्थापना कार्यालय अधीक्षण अभियंता (ई.टी. एंड आई.)-मेंटेनेंस में की गई।

वर्ष 2014 के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यालय की अनुशंसा पर श्री सिंह को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान 500 मेगावाट विस्तार परियोजना की इकाई के विभिन्न उपकरणों के कंट्रोल सिस्टम के इरेक्शन एवं कमीशनिंग तथा डी.सी.एस. सिस्टम के सफल संचालन में योगदान के लिए प्रदान किया गया। उनके योगदान से विद्युत इकाई को निर्धारित समय पर सिंक्रोनाइज कर 5 सितंबर 2013 से व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ किया गया तथा 16 सितंबर 2013 को इकाई राष्ट्र को समर्पित की गई। दिसंबर 2018 में विद्युत कंपनी द्वारा उन्हें पदोन्नति देकर 500 मेगावाट विस्तार परियोजना में अधीक्षण अभियंता (सी एंड आई.-3), कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता (संचालन-संधारण)-2 की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता (संचालन-संधारण)-1 में अधीक्षण अभियंता (सी एंड आई.-1) के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने 210 मेगावाट इकाई क्रमांक-02 के पुराने सी एंड आई सिस्टम के स्थान पर आधुनिक डी.डी.सी.एम.आई.एस. सिस्टम स्थापित कराया। इसके लिए बॉयलर एवं टरबाइन को कैपिटल ओवरहॉल हेतु 45 दिनों के लिए बंद किया गया। श्री सिंह द्वारा सुनियोजित रूप से संपूर्ण कार्य की रूपरेखा बनाई गई तथा कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करते हुए प्रत्येक गतिविधि को निर्धारित समय अथवा उससे पहले पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया। कमीशनिंग के दौरान निरंतर कार्य करते हुए उन्होंने 3 जून 2022 को इकाई को सिंक्रोनाइज करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उल्लेखनीय है कि 210 मेगावाट इकाई क्रमांक-01 में यह कार्य 88 दिनों में पूर्ण हुआ था, जबकि इकाई क्रमांक-02 में यही कार्य 48 दिनों में पूरा किया गया। समय से पूर्व इकाई क्रमांक-02 से उत्पादन प्रारंभ होने पर विद्युत उत्पादन कंपनी द्वारा करोड़ों रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया गया। इन कार्यों के लिए श्री सिंह को स्वतंत्रता दिवस-2022 के अवसर पर पावर कंपनी मुख्यालय की अनुशंसा पर क्षेत्रीय स्तर का पुरस्कार प्रदान किया गया। फरवरी 2023 में विद्युत कंपनी ने उन्हें पदोन्नत कर अतिरिक्त मुख्य अभियंता (संचालन-संधारण)-2 का दायित्व सौंपा। मार्च 2024 में उन्हें मुख्यालय रायपुर में मुख्य अभियंता (मा. संसा.) की जिम्मेदारी सौंपी गई। यहाँ उन्होंने विद्युत कंपनी के नीतिगत कार्यों का कुशलतापूर्वक संपादन किया। नवंबर 2025 में विद्युत कंपनी द्वारा उन्हें हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में मुख्य अभियंता (उत्पादन) की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस पद पर वे शासन की रीति-नीति एवं मंशानुरुप विद्युत संयंत्रों के संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं तथा 2×660 मेगावाट नई परियोजना के शीघ्र निर्माण में सहयोग कर रहे हैं।

सेवा यात्रा (एक नज़र में)

पद	सेवा अवधि
सहायक अभियंता	19 वर्ष 8 माह
कार्यपालन अभियंता	11 वर्ष 6 माह
अधीक्षण अभियंता	4 वर्ष 6 माह
अतिरिक्त मुख्य अभियंता	1 वर्ष 6 माह
कुल सेवा	38 वर्ष 10 माह

श्री हेमंत कुमार सिंह की रुचि क्रिकेट में है। उन्होंने कोरबा पश्चिम की ओर से अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में अनेक बार प्रतिनिधित्व किया है। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रुक्मणी सिंह राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर हैं। वे कुशल गृहिणी होने के साथ-साथ संकल्प महिला मंडल की पूर्व कार्यकारिणियों में सक्रिय पदाधिकारी रही हैं तथा वर्तमान में संकल्प महिला मंडल की अध्यक्षा हैं।

उनकी पुत्री श्रेया ने एसआरएम., दिल्ली से बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन) की उपाधि प्राप्त की है तथा वर्तमान में जर्मनी में सॉफ्टवेयर डेवलपर हैं। पुत्र अर्पित ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) से बैचलर ऑफ डिजाइन की उपाधि प्राप्त की है तथा वर्तमान में बेंगलुरु में प्रोडक्ट डिजाइनर के रूप में कार्यरत हैं। विद्युत गृह परिवार के मुखिया के रूप में श्री हेमंत कुमार सिंह संयंत्र एवं आवासीय परिसर के सौंदर्यीकरण, सुचारु व्यवस्था, कर्मचारी कल्याण तथा खेल गतिविधियों पर विशेष ध्यान देते हैं।

महिला मंडल की गतिविधियां



सावन संग श्रृंगार में खिला हरियाली तीज का रंग

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम के संकल्प महिला मंडल द्वारा "सावन संग श्रृंगार" थीम पर हरियाली तीज का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी की प्रथम महिला श्रीमती प्रभा कटियार मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से सदस्याओं में नई ऊर्जा का संचार किया। सीमा जैन ने "सावन क्वीन" का खिताब जीता, जबकि श्रीमती मंजूषा बरड़िया प्रथम रनर-अप एवं श्रीमती वैजयंती आनंद द्वितीय रनर-अप रहीं।

कार्यक्रम में कार्यकारिणी समिति की सदस्याओं को माणिक, पन्ना, पुखराज, नीलम आदि रत्नों के रूप में "संकल्प रत्न" की अवधारणा के साथ प्रस्तुत किया गया तथा मुख्य अतिथि श्रीमती प्रभा कटियार को "कोहिनूर" के रूप में विशेष रूप से प्रस्तुत कर सम्मानित किया गया। "पेटल्स ऑफ लाइफ" की प्रस्तुति के अंतर्गत विभिन्न फूलों को जीवन के विविध भावों एवं मूल्यों से जोड़ते हुए मनमोहक प्रस्तुति दी गई। "सावन संग श्रृंगार" थीम के अंतर्गत सदस्याओं ने सावन एवं श्रृंगार गीतों के साथ पारंपरिक श्रृंगार की आकर्षक प्रस्तुति दी। तीज उत्सव में सावन क्वीन का चयन रोचक अंदाज में किया गया। सभी अतिथियों एवं सदस्याओं का हल्दी-कुमकुम एवं उपहार देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती रुक्मणी सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका पाटले, श्रीमती अभिलाषा गुप्ता, श्रीमती मनीषा पांडे, श्रीमती कविता पंड्या, श्रीमती अनुराधा राव, श्रीमती विजया शाह एवं श्रीमती सजी नायर, सचिव श्रीमती संगीता कोरम, सहसचिव श्रीमती सोमा कुंडू एवं श्रीमती श्रुति शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती जी. गिरिजा, क्रीड़ा सचिव श्रीमती मुस्कान तिवारी उपस्थित थीं।

स्तुति महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव



अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस), मड़वा की आवासीय कॉलोनी पैरी विहार में स्तुति महिला मंडल (जूनियर क्लब) द्वारा हरियाली तीज उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रितु रेड्डी की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में अनुराधा खैरवार ने सावन क्वीन का खिताब जीता। तीज उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पूजा रानी देवांगन साड़ी ड्रेपिंग, आरती निषाद सलाद डेकोरेशन तथा अनुराधा खैरवार हेयर स्टाइल, फ्लावर रंगोली और मटका डेकोरेशन प्रतियोगिताओं की विजेता रहीं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अन्य प्रतिभागियों को भी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रितु रेड्डी के हाथों सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल की सचिव सीमा देवांगन, मीरा सिंह, आरती सिंह, सुनीता मरकाम, आरती निषाद, सरोजिनी साहू और मनीषा मिरे ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

प्रेरणा महिला मंडल ने सीपेट का किया शैक्षणिक भ्रमण



प्रेरणा महिला मंडल की सदस्याओं एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से सीपेट का शैक्षणिक भ्रमण किया। आयोजन श्रीमती मालती जोशी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। सीपेट के प्राचार्य श्री राजीव लिल्हारे ने संस्थान में संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों तथा प्लास्टिक एवं पॉलिमर उद्योग में आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता की जानकारी दी। श्री भावेश प्रजापति ने प्रतिभागियों को विभिन्न विभागों, प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं का भ्रमण कराया तथा प्लास्टिक प्रोसेसिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, ब्लो मोल्डिंग, एक्सट्रूज़न, गुणवत्ता परीक्षण, प्रोसेसिंग यूनिट एवं टूल रूम की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस अवसर पर श्रीमती अलका कंसल, श्रीमती निवेदिता बंजारा, श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्रीमती मालती जोशी, श्रीमती अनु सरना, श्रीमती विभा कुरनाल, श्रीमती पूनम भगत, श्रीमती रश्मि साहू, श्रीमती कादम्बरी राणा, श्रीमती गीता पैकरा, श्रीमती निशा गोठी, श्रीमती आभा गुप्ता उपस्थित थीं।

खेल गतिविधियां

जगदलपुर में अंतरक्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता सम्पन्न

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ की अंतरक्षेत्रीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता 22 से 24 जुलाई 2026 तक जगदलपुर क्षेत्र में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कंपनी के सभी नौ क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पुरुष टीम शतरंज प्रतियोगिता में रायपुर सेंट्रल (मुख्यालय) ने लगभग 26 वर्ष बाद चैंपियनशिप जीतकर नया इतिहास रचा। विजेता टीम में श्री एस.के. शर्मा, श्री अमिय कटकवार, श्री सुरेश कुमार साहू एवं श्री प्रणेश देवांगन शामिल रहे। पुरुष एकल शतरंज में रायपुर सेंट्रल के अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) श्री एस.के. शर्मा विजेता तथा दुर्ग क्षेत्र के श्री राजेश गोपाल गुप्ता उपविजेता रहे। महिला टीम शतरंज में कोरबा पश्चिम की श्रीमती नूतन ठाकुर एवं श्रीमती सुप्रिया रानी विजेता रहीं, जबकि रायपुर सेंट्रल की श्रीमती भारती फेरो एवं श्रीमती जुनैवा गोम्स उपविजेता रहीं।



महिला एकल शतरंज में श्रीमती नूतन ठाकुर ने विजेता तथा श्रीमती भारती फेरो ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।

कैरम प्रतियोगिता में पुरुष टीम वर्ग का खिताब जगदलपुर क्षेत्र ने जीता, जबकि दुर्ग क्षेत्र उपविजेता रहा। पुरुष एकल में कोरबा पश्चिम के श्री विनोद राठौर विजेता तथा जगदलपुर के श्री कमलेश ठाकुर उपविजेता रहे। महिला एकल कैरम में रायपुर सेंट्रल की श्रीमती कंचन महेश ठाकुर विजेता और श्रीमती नमिता जैन उपविजेता रहीं। महिला युगल कैरम में भी रायपुर सेंट्रल की श्रीमती कंचन महेश ठाकुर एवं श्रीमती नमिता जैन की जोड़ी विजेता रही, जबकि दुर्ग की श्रीमती शकुंतला कारक एवं श्रीमती अनिता रोही की जोड़ी उपविजेता रही। प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक श्री पंकज चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ियों ने 4 से 6 अगस्त 2026 तक आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित 48वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड कैरम, शतरंज एवं जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।

टेबल टेनिस में रायपुर सेंट्रल बना चैंपियन



जांजगीर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ की अंतरक्षेत्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 29 जुलाई को अटल बिहारी वाजपेयी विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस), मड़वा की मेजबानी में हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा को बॉल सर्विस देकर किया। प्रतियोगिता में रायपुर सेंट्रल, रायपुर रीजन, अंबिकापुर रीजन, बिलासपुर रीजन, एचटीपीएस कोरबा पश्चिम, डीएसपीएम कोरबा पूर्व, एबीवीटीपीएस मड़वा तथा दुर्ग रीजन सहित आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल में रायपुर सेंट्रल ने एचटीपीएस कोरबा पश्चिम को पराजित कर टीम चैंपियन का खिताब जीता। मेंस सिंगल में श्री रजनीश ओबेराय (दुर्ग) विजेता तथा श्री अनुराग शर्मा (रायपुर सेंट्रल) उपविजेता रहे। मेंस डबल में श्री रजनीश ओबेराय एवं श्री समीर तिवारी विजेता तथा श्री एस. जॉर्ज एवं श्री बाहुबली जैन उपविजेता रहे। विमेंस सिंगल में सुश्री दिव्या आमडे विजेता तथा सुश्री उपासी धनगढ़ उपविजेता रहीं। विमेंस डबल में सुश्री श्रद्धा वर्मा एवं सुश्री उपासी धनगढ़ विजेता तथा सुश्री दिव्या आमडे एवं सुश्री यशोदा रौतिया उपविजेता रहीं।

राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग में श्री वासनिक को तीन पदक



दुर्ग। दुर्ग क्षेत्र के उतई वितरण केंद्र में पदस्थ तकनीशियन श्री राज वासनिक ने महाराष्ट्र के संभाजी नगर में 19 से 23 जुलाई 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय मास्टर पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक अपने नाम किए। उन्होंने 105 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लेते हुए स्क्वाट में 290 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक, बेंच प्रेस में 182 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक तथा डेडलिफ्ट में 217 किलोग्राम वजन उठाया। तीनों स्पर्धाओं में कुल 690 किलोग्राम वजन उठाने के आधार पर उन्हें ओवरऑल रजत पदक से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री राज वासनिक इससे पहले न्यूजीलैंड में आयोजित कॉमनवेल्थ पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ का गौरव बढ़ा चुके हैं। प्रतियोगिता के बाद दुर्ग लौटने पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज ने उनका आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विदाई

पावर कंपनी से मुख्य अभियंता साव एवं देवांगन को भावभीनी विदाई- छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के मुख्यालय सेवा भवन में आयोजित समारोह में मुख्य अभियंता श्री राजेन्द्र कुमार साव एवं श्री आशुतोष देवांगन सहित सात अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार ने उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किए। समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस. कंवर, श्री सी.एल. नेताम, श्री संदीप मोदी एवं श्री संजय शुक्ला सहित मुख्य अभियंता श्री गिरीश गुप्ता, श्री सुभाष शर्मा, श्री एच.एन. कोसरिया, श्री रोहित डहरवाल उपस्थित थे।





पावर ट्रांसमिशन कंपनी से अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई- छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा सेवा भवन में आयोजित समारोह में प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में श्री राजेश देवांगन (निज सचिव), श्री श्रीकांत तिवारी (निज सचिव), श्री अमरोज कुमार मसीह (वरिष्ठ पर्यवेक्षक, परीक्षण), श्री कमल नारायण वर्मा (सिविल परिचारक श्रेणी-एक) सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। ट्रांसमिशन कंपनी के समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया, श्री एम.एस. चौहान, श्री संजय पटेल एवं श्री वी.के. दीक्षित सहित मुख्य अभियंता श्री के.बी. पात्रे, श्री अब्राहम वर्गीस, श्रीमती रश्मि वर्मा एवं श्री प्रसन्ना गोसावी उपस्थित थे।



श्री पी.आर.साहू की भावभीनी विदाई- बिलासपुर क्षेत्र में पदस्थ मुख्य अभियंता श्री पी.आर.साहू, 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.अम्बस्थ ने उन्हें सेवानिवृत्त अधिकारी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता श्री वाय.के.मनहर, अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगडे, श्री आर.के.झा, श्री एस. प्रजापति कार्यपालन अभियंता श्रीमती प्रीति रानी साव, श्रीमती रेणुका वर्मा सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।





श्री सियाराम सिंह को भावभीनी विदाई- डीएसपीएम कोरबा पूर्व संयंत्र से वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री सिया राम सिंह माह जुलाई-2026 में अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम संयंत्र के कारखाना प्रबंधक सह मुख्य अभियंता राजेश्वरी रावत (टीएसएस), मुख्य अभियंता श्री सुनील सरना की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सेवानिवृत्ति कर्मी को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं कलाई घड़ी, से सम्मानित कर विदाई दी गई।

श्री संतोष कुमार साहू एवं रामबाई टंडन को दी गई भावपूर्ण विदाई- एचटीपीएस कोरबा पश्चिम -हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से माह जुलाई में लेखाधिकारी श्री संतोष कुमार साहू और दफ्तरी रामबाई टंडन सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कार्यक्रम के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एमके. गुप्ता के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री आरके. पांडे, पीके जोशी, केएनबी. राव, एसके. नायर, एससी. पाठक और परियोजना प्रबंधक एसके. पंड्या की गरिमामयी उपस्थिति रही।



जांजगीर-चांपा की बेटी ने फतह किया माउंट एवरेस्ट



दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई को छू लेना ही एवरेस्ट फतह नहीं माना जाता, बल्कि उस ऊंचाई को छूकर सकुशल लौटने वाले को ही वास्तविक एवरेस्ट विजेता कहा जाता है। यह कठिन परीक्षा हाल ही में छत्तीसगढ़ की बेटी अमिता श्रीवास ने भी पूरी की। अमिता के लिए यह सफर केवल बर्फीली चोटियों को पार करने का नहीं, बल्कि मौत को बेहद करीब से देखने का भी था। प्रस्तुत है अमिता श्रीवास से गोविन्द पटेल की विशेष बातचीत पर आधारित लेख...

एवरेस्ट फतह करने वाली अमिता श्रीवास की कहानी किसी संपन्न परिवार से नहीं, बल्कि जांजगीर-चांपा जिले के एक अत्यंत गरीब और विपरित परिस्थितियों से शुरू होती है। उनके पिता जैतराम श्रीवास चांपा के लोहारपारा में एक छोटी-सी सैलून चलाते हैं, उसी आय से उन्होंने पांच बेटियों और दो बेटों का पालन-पोषण हुआ। वर्ष 2008 में उन्होंने शासकीय लक्ष्मीबाई गर्ल्स स्कूल, चांपा से बारहवीं उत्तीर्ण की और इसके बाद बी.कॉम की पढ़ाई पूरी की। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, इसलिए वर्ष 2011 में वे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बन गईं।

चांपा नगर पालिका के वार्ड 4 में छोटे से आंगनबाड़ी भवन में नन्हें मुन्ने बच्चों को संभालते हुए अमिता अक्सर अपने भविष्य के सपने बुनती थीं। उनकी नजर अक्सर कुछ दूर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र, मड़वा पर पड़ती थी। उन्हें कल्पना भी नहीं थी कि एक दिन यही विद्युत परियोजना उनके पर्वतारोहण के सपनों को नई उड़ान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी का यह इस ताप विद्युत केवल बिजली पैदा नहीं करता, बल्कि अपने कोरे में पल रही बेटी अमिता श्रीवास के सपनों को भी नई ऊर्जा दे रहा है। किसी औद्योगिक परियोजना का लाभ स्थानीय लोगों के जीवन को कैसे नई दिशा दे सकता है, अमिता इसका सशक्त उदाहरण हैं।

वैसे तो अमिता श्रीवास की पारिवारिक पृष्ठभूमि पर्वतारोही वाली नहीं रही है, परन्तु पहली बार उनकी सहेली क्षमा राजपूत के साथ माउंट आबू में उन्होंने पर्वतारोहण का अनुभव



माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मुख्यमत्री निवास में भेंट की एवं एवरेस्ट फतह के दौरान फहराए तिरंगे को भेंट किया



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने सुश्री अमिता श्रीवास का मुख्यालय स्थित सेवाभवन में सम्मान किया।

लिया और वहीं से ऊंचे पर्वतों को लांघने के बड़े सपने देखने लगी।

सपने को मंजिल तक पहुंचाने के लिए उन्होंने वर्ष 2018 में पर्वतारोहण का बेसिक कोर्स किया। इसके बाद सिक्किम में 28 दिन के एडवांस पर्वतारोहण प्रशिक्षण में प्रवेश मिला। महज कुछ हजार रुपये का मानदेय पाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए प्रशिक्षण की फीस जुटाना आसान भी नहीं था। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और किसी तरह प्रशिक्षण पूरा किया।

पर्वतारोहण के सफर में सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव तब आया जब उन्हें अफ्रीका के सबसे ऊंचे पर्वत किलिमंजारो अभियान का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस अभियान में भाग लेने के लिए पैसे नहीं थे, इतनी बड़ी राशि जुटाना उनके लिये किसी पर्वत पर चढ़ने से कम कठिन नहीं था। उन्होंने कलेक्टर चांपा से किया, जिनके जरिये जनरेशन कंपनी ने पहली बार उनकी यात्रा के लिए फंड दिया। यह सहयोग अमिता के जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इस मौके को अमिता ने पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ साधा। उनके ही गांव के श्री रमेश कुमार श्रीवास, जो छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में मुख्य सांख्यिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत् हैं। वे बताते हैं कि अमिता ने बहुत कठिनाईयों में मेहनत की। सुबह-सुबह उन्हें अभ्यास करते हुए मिलती थी तो उसके पैर में जूते तक नहीं होते थे। इतने अभावों के बाद भी उसकी लक्ष्य पाने के लिए जीवटता सबके लिए सीखने लायक है।

कठोर शारीरिक और मानसिक तैयारी का परिणाम यह रहा कि 8 मार्च 2021 को विश्व महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने अफ्रीका



के किलिमंजारो माउंट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की और छत्तीसगढ़ की पहली अंतरराष्ट्रीय महिला पर्वतारोही बनने का गौरव हासिल किया। यह केवल एक पर्वत की जीत नहीं थी, बल्कि उस विश्वास की जीत थी कि सीमित संसाधन भी बड़े सपनों की राह नहीं रोक सकते।

इस सफलता के बाद अमिता का सफर यहीं नहीं रुका। उनके सामने अब दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट की चुनौती थी। लेकिन इस अभियान के लिए भी 50 लाख रुपए के फीस की आवश्यकता थी। राज्य शासन और कलेक्टर की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने उन्हें काफी वित्तीय सहायता प्रदान की।

एवरेस्ट के लिए 9 अप्रैल को ट्रेन से दिल्ली के लिये निकली, वहां से काठमांडू और एवरेस्ट के बेस कैंप पहुंची। उनकी पहली चुनौती तब आयी जब 6500 मीटर की ऊंचाई पर मौसम खराब होने के कारण यात्रा ही स्थगित थी। छत्तीसगढ़ के गोंद के लड्डू, ठेठरी, खुरमी और सलौनी खाकर समय बिताया। कुछ दिन इंतजार के बाद यात्रा शुरू हुई। कड़ाके की ठंड, बर्फीली हवाएं, बेहद कम ऑक्सीजन और हर कदम पर मौत का खतरा—यही उस यात्रा की वास्तविक पहचान थी। रातभर धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ता था। रास्ते में कई पर्वतारोहियों के शव दिखाई देते थे, जो इस अभियान की कठिनाई का मौन प्रमाण थे। कुछ ऊंचाई को पार करने में ही पूरा दिन निकल जाता था।

एवरेस्ट अभियान के दौरान सबसे भयावह क्षण तब आया, जब उनके सामने ही बेंगलुरु के पर्वतारोही संदीप आप्टे स्नो ब्लाइंडनेस (Snow Blindness) का शिकार हो गए। वैसे वे काफी हृष्ट-पुष्ट थे, लेकिन सूरज की पराबैंगनी किरणें संदीप की आंखों में पड़ी तो उनका कार्नियां डेमेज हो गई। बहुत अधिक कराहते हुए संदीप को देखा। बाद में पता चला

की उनकी मौत हो गई है।

अभी अमिता इस सदमे से उबर भी नहीं पाई थीं कि एक और हादसे ने पूरे अभियान दल को झकझोर दिया। हैदराबाद के पर्वतारोही कनक तिवारी की एवरेस्ट शिखर से महज 100 मीटर पहले अचानक मौत हो गई। इतनी बड़ी त्रासदी के बावजूद अमिता का हौसला नहीं टूटा। उनके शेरपा दावा गैल्जिन उनका उत्साह बढ़ाते रहे और एवरेस्ट फतह करने का संकल्प याद दिलाते रहे।

अंतिम चरण में ऑक्सीजन सिलेंडर के सहारे 800 मीटर की चढ़ाई पूरी करने में उन्हें लगभग 21 घंटे लग गए। अंततः 22 मई 2026 को उन्होंने समुद्र तल से 8848 मीटर (29,031 फीट) की ऊंचाई पर स्थित विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराकर इतिहास रच दिया। उस क्षण उन्होंने केवल एवरेस्ट ही नहीं जीता था, बल्कि उन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी विजय प्राप्त की थी, जिन्होंने बचपन से उनके रास्ते कठिन बनाए थे।



लेकिन पर्वतारोहियों की दुनिया में असली जीत शिखर पर पहुंचना नहीं, बल्कि वहां से सकुशल लौटना माना जाता है।

अमिता के अनुसार एवरेस्ट से उतरना, चढ़ाई से कहीं अधिक कठिन था। शिखर तक पहुंचने का उत्साह आगे बढ़ने की शक्ति देता है, लेकिन वापसी के दौरान वही शरीर पूरी तरह थक चुका होता है और एक छोटी-सी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है। ऑक्सीजन की कमी के कारण शरीर और मस्तिष्क में तालमेल नहीं रहता। कुछ याद नहीं रहता कि कहां पहुंचे, कितना चले। उतरते वक्त एक ऐसे ही यात्री से उनकी मुलाकात हुई, जो थककर चूर हो गए थे और निढाल पड़े थे। उनके शेरपा दावा गैल्जिन ने उस पर्वतारोही का हौसला बढ़ाया और अपने साथ चलने कहा। परन्तु वहां शिखर के रास्ते में कुछ मिनट रूकना भी बहुत कठिन और जानलेवा होता है। धीरे-धीरे अमिता बढ़ते रही। आक्सीजन इतना कम था कि उनकी याददाश्त भी साथ नहीं दे रही थी। उन्हें इसके आगे की कठिनाई याद भी नहीं है।

कठिन संघर्ष के बाद 42 दिन बाद किसी तरह अमिता बेस कैंप तक पहुंचीं। पहुचंने के बाद एक और समस्या ने अमिता को घेर लिया। लगातार बर्फीले वातावरण से उनकी उंगली गलने लग गई थी। इसे फ्रॉस्टबाइट कहा जाता है। अमिता को बेस कैंप से आनन-फानन में हेलीकॉप्टर के जरिये काठमांडू लाया गया, जहां लगभग एक सप्ताह तक उपचार चला। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद वे भारत लौटीं। अपने घर लौटकर अमिता के चेहरे पर गर्व के साथ अपने सपने के पूरे होने का सुकून नजर आता है।

उन्होंने रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर अपने एवरेस्ट अभियान के अनुभव साझा किए। इस उपलब्धि में मिले सहयोग के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कुमार कटियार के प्रति आभार व्यक्त किया।

एवरेस्ट की चोटी पर फहराया गया तिरंगा केवल एक पर्वतारोहण अभियान की सफलता नहीं है। यह उस छत्तीसगढ़ी बेटी के अदम्य साहस, संघर्ष और संकल्प की कहानी है, जिसने अभावों को अपनी मंजिल के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया। यह कहानी बताती है कि सपनों की ऊंचाई आर्थिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन्हें पूरा करने के साहस से तय होती है। जब व्यक्तिगत जिद, कठोर परिश्रम और संस्थागत सहयोग साथ आ जाएं, तब चांपा की एक साधारण बेटी भी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचकर पूरे प्रदेश का मस्तक गर्व से ऊंचा कर सकती है।

छोटी-छोटी सावधानी से रोकी जा सकती है विद्युत दुर्घटना

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत वितरण केंद्र गुरुर में तकनीकी कर्मचारियों के लिए एकदिवसीय विद्युत सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें गुरुर सबडिविजन तथा गुरुर, पलारी एवं पुरुर वितरण केंद्रों के लाइन कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्युत लाइनों पर कार्य के दौरान सुरक्षा सावधानियों, सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग एवं रखरखाव तथा दुर्घटनाओं से बचाव की जानकारी दी गई। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य करने और लाइन मेंटेनेंस के दौरान सतर्कता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने



कहा कि छोटी-छोटी लापरवाहियों से होने वाली दुर्घटनाओं को सुरक्षा नियमों के पालन से रोका जा सकता है। कर्मचारियों को सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर एवं डिस्चार्ज रॉड आदि के उपयोग का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही स्वयं, सहकर्मियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए शून्य विद्युत दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त करने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में कार्यपालन अभियंता श्रीमती अनसुईया ठाकुर, सहायक अभियंता श्री एच.के. यादव, कनिष्ठ अभियंता श्री दुष्यंत पोया एवं सुश्री उदिता साहू सहित तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री महेंद्र सिंह चौहान

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ में कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री महेंद्र सिंह चौहान ने 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप-2026 की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। यह प्रतियोगिता 11 से 21 जुलाई 2026 तक चौथी एसएएफ बटालियन, माना कैम्प, रायपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई। प्रदेशभर के प्रतिभागियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्री चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी यह उपलब्धि अनुशासित तैयारी, निरंतर अभ्यास एवं उत्कृष्ट खेल भावना का परिचायक है। उनकी सफलता ने पावर कंपनीज़ का गौरव बढ़ाने के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।



श्रीमती रेश्मा साहू

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के ईआईटीसी में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्रीमती रेश्मा साहू ने सूचना एवं साइबर सुरक्षा के क्षेत्र की विश्व की प्रतिष्ठित Certified Information Systems Security Professional (CISSP) परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर कंपनी का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने 31 मार्च 2026 को आयोजित परीक्षा में सफलता प्राप्त की। वे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ की पहली और वर्तमान में एकमात्र अधिकारी हैं, जिन्होंने यह अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन हासिल किया है। विश्वभर में लगभग 1.9 लाख तथा भारत में लगभग 3,364 सक्रिय CISSP प्रमाणित पेशेवर हैं। यह उपलब्धि उनकी तकनीकी दक्षता, सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञता तथा सतत् सीखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उनकी इस सफलता से पावर कंपनीज़ के अधिकारी एवं कर्मचारी भी वैश्विक स्तर की व्यावसायिक योग्यता अर्जित करने के लिए प्रेरित होंगे।



श्रेया साहू



डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व संयंत्र में कार्यरत श्री घनश्याम साहू एवं श्रीमती नर्मदा साहू की सुपुत्री श्रेया साहू को प्रतिभा सम्मान योजना के अंतर्गत चित्रकला के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। 12 जुलाई को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज, रायपुर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन्हें स्वर्ण पदक, प्रशस्ति-पत्र एवं ₹10,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की।

देयान पात्रे



हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में अधीक्षण अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी श्री अनूप कुमार पात्रे के पुत्र देयान पात्रे ने अंतरराष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता के सब-जूनियर वर्ग में रजत पदक जीतकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 30 जनवरी से 1 फरवरी तक विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) में आयोजित 9वीं ऑल स्टाइल इन्विटेशनल अंतरराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में यह उपलब्धि हासिल की।

श्री सुरेश कुमार बंजारे



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सतर्कता विभाग में कार्यालय अधीक्षण अभियंता, रायपुर सर्किल में पदस्थ सहायक अभियंता श्री सुरेश कुमार बंजारे को आनंदी यूनिवर्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कला सम्मान समारोह में राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। यह समारोह 28 मई को नासिक के गुरु दक्षिणा सभागृह में आयोजित हुआ। श्री बंजारे को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

पर्यावरण संरक्षण

हरित संकल्प, 30 हजार से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी तथा जनरेशन कंपनी द्वारा प्रदेशभर में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। तीनों कंपनियों ने मानसून सत्र में 30 हजार से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपकेंद्रों, विद्युत संयंत्रों एवं कार्यालय परिसरों में स्थानीय एवं फलदार प्रजातियों के पौधे रोपे जा रहे हैं।

सांकरा उपकेंद्र में प्रबंध निदेशक ने किया पौधरोपण



महासमुंद जिले के 132 केवी सांकरा उपकेंद्र में 3 अगस्त को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत तीनों पावर कंपनियां प्रदेशभर में वृक्षारोपण कर रही हैं। इसी क्रम में सभी उपकेंद्रों के आसपास उपलब्ध रिक्त भूमि पर पौधे लगाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री अब्राहम वर्गीस, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी, अधीक्षण अभियंता श्री विक्रम मंधान, कार्यपालन अभियंता श्री प्रशांत साहू, श्री विंध्याचल गुप्ता, श्री प्रदीप साहू, श्री गौरव रघुवंशी, सहायक अभियंता श्री राजेंद्र चौहान, सुश्री लता जगत, श्री नारायण प्रसाद लोधी, श्री अंकुर, श्री दीपक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हसदेव संयंत्र में 22,500 पौधे लगाने का संकल्प



कोरबा। हसदेव ताप विद्युत संयंत्र में 30 जुलाई को आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री एच.के. सिंह एवं मुख्य अतिथि, पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी श्री प्रसन्ना सोनकर ने देशी पौधे लगाकर किया। मिनी हाइडल प्लांट परिसर में फलदार एवं स्थानीय प्रजातियों के सैकड़ों पौधे लगाए गए। इस मानसून सत्र में हसदेव ताप विद्युत संयंत्र ने 22,500 पौधे रोपने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, कोरबा के मंडल प्रबंधक श्री दिवाकर पाठक, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.के. गुप्ता, श्री आर.के. पांडे, श्री पी.के. जोशी, श्री के.एन.बी. राव, श्री एस.के. नायर, श्री एस.सी. पाठक, परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. पंड्या, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधरोपण किया।

राजनांदगांव क्षेत्र में वृक्षारोपण

राजनांदगांव क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन परिसर एवं कैलाश नगर स्थित विद्युत कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। मुख्य अभियंता



श्री एच.के. मेश्राम ने आंवला, इमली, जामुन, करंज, अमरूद, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर एवं श्री के.सी. खोटे, कार्यपालन अभियंता श्री एम.के. साहू, श्री एन.के. साहू, श्री जी.एस. फ्लोरा, श्री के.एल. उइके एवं श्री शोबी शर्मा, श्रीमती सीमा ढील, श्रीमती कांति नेताम, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री भावेश वाल्दे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीज लिफाफा एक छोटा सा प्रयास

आपकी पौधे की यात्रा, हमारी साझा कहानी

संकल्प गृहपत्रिका के इस अंक के साथ दिया गया बीज लिफाफा प्रकृति से जुड़ने और हरियाली बढ़ाने की हमारी एक छोटी-सी पहल है। इसमें समी, तुलसी, सिंदूर और चंदन के बीज दिए गए हैं। पौधा लगाना इस पहल की शुरुआत है, अंत नहीं। पौधे के बढ़ने के साथ उसकी तस्वीरें क्यूआर कोड के माध्यम से अपलोड करें और इस हरित यात्रा में हमारे साथ जुड़ें।

एक बीज लगाइए। एक पौधा बचाइए।
एक हरित भविष्य उगाइए।

- मुख्य अभियंता (HR), CSPTCL



समी (Prosopis cineraria)



समी भविष्य में बड़ा वृक्ष बनता है, इसलिए इसे खुले स्थान में जमीन पर लगाना बेहतर है। शुरुआत में बीज को छोटे गमले या पॉलीबैग में अंकुरित किया जा सकता है, लेकिन पौधा बढ़ने पर उसे पर्याप्त जगह वाली जमीन में स्थानांतरित करें। इसे धूप और अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी पसंद है। जलभराव से बचाएं।

तुलसी (Ocimum tenuiflorum L.)



तुलसी गमले में आसानी से लगाई जा सकती है। लगभग 10–12 इंच का गमला, अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी और प्रतिदिन लगभग 4–5 घंटे धूप इसके लिए उपयुक्त है। मिट्टी में नमी बनाए रखें, लेकिन अधिक पानी न दें। गमले में पानी जमा न होने दें।

सिंदूर (Bixa orellana)



सिंदूर का पौधा शुरुआत में गमले में भी उगाया जा सकता है। बीज बोने के बाद मिट्टी में हल्की नमी बनाए रखें और गमले में पानी जमा न होने दें। पौधा बड़ा होने पर पर्याप्त जगह वाले गमले या जमीन में लगाया जा सकता है। नियमित हल्की छंटाई से पौधे का आकार बेहतर रखा जा सकता है।

लाल चंदन (Pterocarpus santalinus)



चंदन को लंबे समय तक विकसित करने के लिए खुले स्थान में जमीन पर लगाना बेहतर है। इसकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि चंदन की जड़ें आसपास के उपयुक्त पौधों की जड़ों से जुड़कर पोषण प्राप्त करती हैं। इसलिए चंदन के साथ उपयुक्त सहायक पौधा (होस्ट प्लांट) होना जरूरी है। पौधे को पर्याप्त धूप, अच्छी जलनिकासी और नियमित देखभाल दें।

ऐसे लगाएं?

शुरुआत में चारों बीजों को गमले या पॉलीबैग में लगाएं। मिट्टी में पर्याप्त नमी रखें, लेकिन पानी जमा न होने दें। अंकुर निकलने तक गमले को उपयुक्त रोशनी वाले स्थान पर रखें। पौधे के मजबूत होने पर उसकी प्रकृति के अनुसार उसे बड़े गमले अथवा खुले स्थान पर रोपित किया जा सकता है।

याद रखें

- पानी दें, लेकिन जलभराव न होने दें।
- धूप दें, लेकिन शुरुआती नाजुक पौधों को आवश्यकता से अधिक तेज धूप से बचाएं।
- पौधे को लगाना ही नहीं, उसकी देखभाल करना भी हमारा संकल्प है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के लिए, कार्यालय उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) द्वारा प्रकाशित। प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 250 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है। मुद्रक : क्वॉलिटी ऑफसेट, रायपुर।

मीडिया स्पीक

THE TIMES OF INDIA | 3 अगस्त 2026

Smart meter data: July consumption lower than June

81% Users Remain Within 400-Unit Limit

TIMES NEWS NETWORK

Raipur: Data from domestic smart meters in Raipur shows a shift towards lower consumption slabs in July, with 2.56 lakh of 3.17 lakh users restricting usage to within 400 units.

According to slab-wise consumption data from Ch... State ...

lion units (MU) in July, compared with 131.27 MU in June. The number of consumers using up to 400 units increased from 1.96 lakh in June to 2.56 lakh in July, while those consuming over 400 units fell from 1.20 lakh to 60,921.

The steepest decline was recorded among consumers using over 600 units, with both the number of users and their electricity consumption witnessing a sharp fall.

CSPDCL officials attributed the decline to reduced use of air conditioners and cool... during ...

दैनिक भास्कर | 8 अगस्त 2026

डाटा एंट्री ऑपरेटर के 400 और प्लांट अटेंडेंट के 300 पद

बिजली कंपनियों में 1235 पदों पर होगी भर्ती, जनरेशन में 547 पद

भास्कर कॉलेज... 26 साल पहले 18.91 लाख, अब 67 लाख उम्मीदवार

नवभारत | 9 जुलाई 2026

जंगलों के बीच बसे गांव कालकोंटा में पहली बार पहुंची बिजली

THE IMPRESSIVE TIMES | 18 अगस्त 2026

Chhattisgarh Power Companies Honour Employees for Outstanding Emergency Power Restoration

Ashok Sharma

RAIPUR : Chhattisgarh State Power Companies Chairman Subodh Kumar Singh honoured employees for their outstanding work in restoring electricity during storms, heavy rains, floods and other emergencies at a state-level award ceremony at the Power Companies' headquarters in Dangania. Employees who helped prevent potential compromise and financial penalties and those who completed critical technical works at substations within deadlines were also recognised. The Distribution Company received a morning shield for 6 office implementation, presented to Chief Engineer (Human Resources) Ramshu Prasad as it leads award. A total of 12 officers and employees from state and central offices received cash awards, medals and certificates. MD (Generation) S.K. Kattua, MD (Transmission) Rajesh Kumar Shukla and MD (Distribution) Bhimsingh Eanwar were present, while Chief Engineer (Human Resources), Transmission Company, Rashmi Verma briefed the gathering on employees' achievements.

At the state-office level, Chief ...

...exceeding the ash disposal target by 15 per cent, while Ankit Kumar has received a medal for resolving a critical turbine bearing issue within two hours. Lakshman Prasad Sahu was recognised for restoring the 220-kV Khedamara–Thelkadih circuit after a severe storm, while Ganesh Ram Gajendra was rewarded for completing substation testing and installation works on time. From the Distribution Company, Anil Kumar Verma was honoured for effective revenue collection and power-theft control measures, and Devendra Bhandari for ... Bhandari ...

दैनिक भास्कर | 18 अगस्त 2026

119 दिन 18 घंटे लगातार चली एचटीपीपी की पुरानी यूनिट

नवभारत | 10 जुलाई 2026

पहली तिमाही में डीएसपीएम ने किया रिकार्ड उत्पादन

पत्रिका | 5 जून 2026

सीएम की पीएम से मुलाकात : बस्तर विजन पर हुई विस्तृत चर्चा

461 गांवों को विद्युत ग्रिड से जोड़ने का आग्रह

पत्रिका न्यूज़ @ रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सीएम ने पीएम के सामने बहुतायती छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए राज्य की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने बस्तर सहित संवेदनशील क्षेत्रों के ऐसे 461 गांवों का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जहां पूर्ण में सुरक्षा एवं भौगोलिक कारणों से विद्युत ग्रिड पहुंचाना संभव नहीं हो पाया था और वर्तमान में ऑफ-ग्रिड माध्यम से ...



₹10500 करोड़ की राजकोटगांव में सैस आधारित ग्रामीण परिक्रमा और जॉल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की स्थापना के लिए मांगा सहयोग

उन्होंने इन गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग का आग्रह किया। साथ ...

ग्रामीण परिक्रमा के लिए जीप मंजूरी और रायपुर आमाख बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की ...

हरिभूमि | 2 अगस्त 2026

योजना का लाभ दिलाने घर-घर संपर्क कर रहे हैं वेंडर

घरों की छत पर नजर आने लगे हैं सोलर पैनल

हमारे सोशल मीडिया पेज से जुड़ने के लिए स्कैन करें...

facebook
CS Power Companies

Instagram
cs_power_ Companies

twitter
@cspwrCompanies